卐 श्री सदगुरू देवाय नम: 卐 卐 ओ३म् 卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी 卐卐 जय बाबा की 卐卐 श्याम बाबा 卐卐 卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐

उल्लंघ्य सिन्धो: सलिलं सलीलं,य:शोकवह्नि जनकात्मजाया: आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये

केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त

हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 24 ♦अंक 338 ♦पृष्ठ 8 ♦रूद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) ♦शुक्रवार ♦20 सितम्बर 2024 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com 9897427585 UTTARANCHAL DARPAN www.uttaranchaldarpan.in

बंगाली महासम्मेलन में उमड़ा सैलाब

मांगों और सम्मान की रक्षा को लेकर मंच पर गरजे बंगाली समाज के नेता

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। बंगाली समाज द्वारा आज गांधी पार्क मैदान में आयोजित विशाल जनसभा व रैली कार्यक्रम में उमड़े जनसैलाब ने राजनैतिक दलों को अपनी ताकत का अहसास दिला यदि शासन द्वारा समाज की मांगों की अनदेखी की गई तों बंगाली समाज एक जुट होकर निर्णायक संघर्ष शुरू कर देगा। राजकुमार साहा, दिलीप अधिकारी, हिमांशु सरकार, त्रिनाथ विश्वास, सुदर्शन विश्वास, अनादि रंजन, जीवन राय आदि प्रस्तुत किये गये। जन सभा को सम्बोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि बंगाली समाज के लोगों का तराई के विकास में इतिहास हैं। उन्होंने कहा कि करीब पांच दशक पूर्व पश्चिम बंगाल व पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित लोगों को रहकर रह रहे हैं। वक्ताओं ने कहा कि बंगाली समाज के बच्चों को तहसील से प्राप्त होने वाले प्रमाण पत्रों में पूर्वी पाकिस्तान का उल्लेख किया जाता था। जिसके विरोध में आवाज उठाने पर

दिया है। हजारों की संख्या में मौजूद लोगों को सम्बोधित करते हुए वक्ताओं ने समाज की मांगों को उठाते हुए कहा कि इससे पूर्व बंगाली समाज के वरिष्ठजनों उत्तम दत्ता, प्रेमानन्द महाजन, ममता हालदार, परिमल राय, केके दास, ने शंख की गूंज के बीच दीप प्रज्जवलित कर महासभा का शुभारम्भ किया। जिसके पश्चात बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम हमेशा योगदान रहा है वहीं देश की आजादी में भी इस समाज के लोगों ने बढ़चढ़ की भागीदारी की। जिसका गवाह तत्कालीन सरकार ने यहां जमीन देकर बसाया था। जिसके बाद से बंगाली समाज यहां के लोगों के साथ मिलजुल कर सरकार द्वारा इसमें सुधार किया गया। लेकिन अभी भी समाज की वर्षों पुरानी कई मांगें लंबित (शेष पृष्ठ सात पर)

जनसैलाब ने दिलाई मोदी की सभा की याद

रूद्रपुर। आज गांधी पार्क में बंगाली समाज द्वारा आयोजित विशाल जनसभा और रैली में उमड़े जन सैलाब ने लोगों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आयोजित हुई जनसभाओं की याद दिला दी। जहां नगर की ट्रांजिट कैम्प, जगतपुरा, आदर्श इंदिरा बंगाली कालोनी, संजय नगर, संजय नगर खेड़ा, रविन्द्र नगर, मुखर्जी नगर, घास मंडी आदि कालोनियों से सैकड़ों की संख्या में बंगाली (शेष पृष्ठ सात पर)

रैली में चिकित्सा कैम्प भी लगाया

रूद्रपुर। महासम्मेलन के दौरान आयोजकों द्वारा कार्यक्रम स्थल पर चिकित्सा शिविर भी लगाया गया था। ताकि जनसभा के दौरान यदि किसी का स्वास्थ्य अचानक खराब हो जाये तो उसे तत्काल मौके पर ही प्राथमिक उपचार मिल सके। शिविर में बंगाली समाज के विशेषज्ञ चिकित्सक व उनकी पूरी टीम तैनात रही ।वहीं आयोजन स्थल पर आये हजारों लोगों के लिए (शेष पृष्ठ सात पर)

जिपं की बैठक में उठा बंगाली समाज का मुद्दा

रूद्रपुर। जिला पंचायत बोर्ड की बैठक में शुक्रवार को बंगाली समाज को अनुसूचित जाति का दर्जा देने का मुद्दा भी उठा। जिला पंचायत अध्यक्ष रेनू गंगवार ने बंगाली समाज को अनुसूचित जाति का दर्जा दिये जाने की मांग का प्रस्ताव रखा। जिसे बोर्ड के सदस्यों ने सर्वसम्मति से पारित कर दिया। बैठक में बंगाली समाज से जुड़ी अन्य समस्याओं पर भी चर्चा की गयी।

सरकारी स्कूल में शिक्षक ने तोड़ा बच्ची का हाथ

गदरपुर। क्षेत्र के एक सरकारी स्कूल के शिक्षक पर कक्षा चार की छात्रा के साथ मारपीट करने का मामला प्रकाश में आया है। आरोप है कि शिक्षक के मारने से बच्ची का हाथ फैक्चर हो गया। जब घटना की जानकारी परिजनों

को हुई तो आरोपी शिक्षक घायल छात्रा के घर पहुंच गया और परिजनो पर तहरीर ना देने का दबाव बनाने लगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार को गूलरभोज रोड स्थित प्राइमरी स्कूल में कक्षा 4 में पढ़ने वाली छात्रा का स्कूल के एक शिक्षक ने हाथ मरोड़ दिया। छात्रा दर्द से कराह उठी और डर के मारे शिक्षक से कुछ ना कह पाई। छुट्टी के बाद घर पहुंची बच्ची ने जब परिजनों को बात बताई तो परिजन कानूनी कार्यवाही का मन बनाने लगे । जब शिक्षक को इसकी भनक लगी तो आरोपी शिक्षक गदरपुर के एक छुटभैये नेता को लेकर छात्रा के घर पहुंच गया और इलाज कराने के बहाने तहरीर ना देने का दबाव बनाने लगा। मामले में खंड शिक्षा अधिकारी गदरपुर से दूरभाष से संपर्क किया गया तो उनसे संपर्क नहीं हो सका।

चौकी इंचार्ज के खिलाफ सिख समाज में उबाल

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। आदर्श कालोनी चौकी इंचार्ज संदीप पिलखवाल द्वारा सिख युवक के साथ की गयी बदसलूकी के खिलाफ सिख समाज सहित तमाम लोगों ने शुक्रवार को गल्ला इंचार्ज की नोक झोंक हो गयी थी। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। जिसमें चौकी इंचार्ज संदीप पिलखवाल युवक का गिरेवान पकड़े नजर आ रहे हैं। आरोप है कि दरोगा ने और अन्य लोग चौकी इंचार्ज के निलंबन की मांग कर रहे हैं। इसी को लेकर शुक्रवार को सिख समाज सहित अन्य लोग बड़ी संख्या में गल्ला मण्डी में एकत्र हुए। इस दौरान धरना स्थल पर आयोजित खराब की है। वक्ताओं ने कहा कि वर्दी की आड़ में गुण्डागर्दी बर्दाश्त नहीं की जायेगी। धरने को पूर्व मंत्री एवं किच्छा के विधायक तिलकराज बेहड़, पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल,व्यापार मण्डल

मण्डी में धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान चौकी इंचार्ज के निलंबन की पुरजोर मांग की गयी। बता दें बुधवार सांय आदर्श कालोनी में चेकिंग के दौरान एक सिख युवक के साथ आदर्श कालोनी चौकी युवक की बाइक को लात मारकर गिरा दिया और युवक के साथ अभद्रता की। इस मामले में एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने दरोगा को लाईन हाजिर कर दिया है। सिख समाज सहित, शहर के व्यापारी सभा में चौकी इंचार्ज के निलंबन की पुरजोर मांग की गयी। वक्ताओं ने कहा कि चौकी इंचार्ज पूर्व में भी विवादित रह चुका है। पूर्व में भी इस दरोगा ने वर्दी की हनक दिखाकर मित्र पुलिस की छवि अध्यक्ष संजय जुनेजा ने भी समर्थन दिया। इस अवसर पर बलविंदर सिंह, तजेन्द्र सिंह विर्क, ठाकुर जगदीश सिंह, संजय ठुकराल, जगतार सिंह बाजवा, सुरेश कम्बोज, (शेष पृष्ठ सात पर)

राज्य स्तरीय ओलंपिक खेलों का हुआ आगाज

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। मनोज सरकार स्पोर्ट्स स्टेडियम में राज्य ओलंपिक खेलों का सांसद अजय भट्ट ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करके के लिए निरंतर काम कर रही है। आज खेलों में कैरियर की अपार संभावनाएं हैं। खिलाड़ियों को सरकारी नौकरियों में प्राथमिकता दी जा रही है। श्री भट्ट ने ने कहा कि खिलाड़ियों को बधाई दी साथ ही उन्होंने आयोजन की बेहतर व्यवस्थाओं के लिए जिला प्रशासन की सराहना की। इस अवसर पर डीके सिंह ने कहा कि जिला खेल अधिकारी जानकी कार्की ने बताया कि 20 से 17 सितंबर तक चलने वाले राज्य ओलंपिक खेलोंमें करीब 6000 खिलाड़ी और कोच प्रतिभाग कर

विधिवत शुभारम्भ किया। उदघाटन के मौके पर रंगारंग कार्यक्रम भी आयोजित किये गये। इस अवसर पर पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं सांसद अजय भट्ट ने कहा कि सरकार खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने कहा कि बच्चों के लिए पढ़ाई के साथ खेल भी जरूरी हैं। खेलों में प्रतिभाग करने से बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास होता है। खेलों से जीवन में बहुत कुछ सीखने को मिलता हैं। अजय भट्ट उन्होंने कहा कि रूद्रपुर में राज्य स्तरीय ओलंपिक खेलों का आयोजन सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि यहां श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी आने वाले समय में राष्ट्रीय खेलों में हिस्सा लेंगे। रहे हैं। खिलाड़ियों की आवास,भोजन पानी की पूरी व्यवस्था की गई हैं। उदघाटन कार्यक्रम में विधायक शिव अरोरा, डीएम उदयराज सिंह, एडीएम पंकज उपाध्याय, (शेष पृष्ठ सात पर)

सिलेण्डर फटने से झोपड़ी हुई खाक,महिला झुलसी

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। हिम्मतपुर मल्ला क्षेत्र के एक घर में एक गैस सिलेंडर फटने से झोपड़ी पूरी तरह जलकर खाक हो गई। घटना के समय झोपड़ी में रखे सिलेंडर में अचानक विस्फोट हो गया, जिससे आग लग गई। हादसे में एक महिला गंभीर

रूप से झुलस गई। उसे उपचार के लिए चिकित्सालय भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार हिम्मतपुर मल्ला क्षेत्र में खेतों में काम करने वाले एक परिवार की झोपड़ी में शुक्रवार सुबह खाना बनाने के दौरान गैस सिलेण्डर में आग लग गयी। देखते ही देखते धमाके के साथ सिलेण्डर फट गया और झोपड़ी आग की भेंट चढ़ गयी। इस दौरान झोपड़ी में मौजूद महिला आग से झुलस गयी। आनन फानन में महिला को सुशीला तिवारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत सामान्य (शेष पृष्ठ सात पर)

नकली नोट छापने वाले गिरोह का भंडाफोड़,दो भाइयों समेत छह गिरफ्तार

हरिद्वार और देहरादून में चलाते थे नकली नोट का धंधा, 2.25 लाख के 500 के नकली नोट और उपकरण बरामद

हरिद्वार(उद संवाददाता)। नकली नोट छापकर मार्केट में चलाने वाले गिरोह का खुलासा कर पुलिस ने दो सगे भाइयों सहित छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। उनके कब्जे से 2.25 लाख के 500 के नकली नोट बरामद हुए हैं। नकली नोटों की छपाई में इस्तेमाल दो लैपटॉप, दो प्रिंटर, अन्य उपकरण, दो बाइक, पांच मोबाइल बरामद हुए हैं। बृहस्पतिवार को पुलिस कार्यालय में खुलासा करते हुए एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने पत्रकारों को बताया कि बुधवार सुबह पुलिस टीम ने सुमननगर पुलिया दो बाइकों पर चार संदिग्धों की तलाशी ली। उनके कब्जे से 500 के कई नकली नोट बरामद हुए। आरोपियों ने अपने नाम सौरभ निवासी देवबंद, सहारनपुर, निखिल निवासी सरसावा, सहारनपुर, अनंतबीर निवासी छावनी हापुड़, नीरज निवासी देवबंद, सहारनपुर बताए। सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपियों ने अपने साथियों के साथ देहरादून के सुद्धोवाला में किराये के कमरे में नकली नोट छापने की बात स्वीकार की। इसके बाद एएसपी जितेंद्र मेहरा की अगुवाई में पुलिस टीम ने देहरादून में दबिश दी। टीम ने मोहित निवासी सरसावा, सहारनपुर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 500 के काफी जाली नोट और कमरे से एक लैपटॉप, प्रिंटर, दो ब्लेड कटर, नोट छापने के उपकरण बरामद किए। वहीं, दून एन्क्लेव, पटेलनगर से विशाल निवासी देवबंद सहारनपुर को गिरफ्तार कर बड़ी संख्या में 500 के नकली नोट बरामद किए। एसएसपी ने बताया, आरोपी नकली नोट छापकर मार्केट में चलाने का काम करते थे। एसएसपी ने बताया, आरोपी नकली नोटों को अपने साथियों के माध्यम से देहरादून और हरिद्वार के बाजारों में चलाते थे। ज्यादातर भीड़ वाले इलाकों में बुजुर्ग दुकानदारों के पास छोटी-मोटी खरीदारी करने के लिए नोटों को चलाकर शेष रकम ले लेते थे। आरोपी मोहित और निखिल कुमार पूर्व में भी नकली नोट छापकर बाजार में चलाने के मामले में हिमाचल प्रदेश के थाना नहान से जेल जा चुके हैं। मोहित दुष्कर्म के मामले में भी थाना विकासनगर देहरादून से जेल भेजा गया था। बताया, सौरभ पांचवीं तक पढ़ा है। मां-बाप की मौत होने के बाद हलवाई का काम करने वाले उसके दो भाइयों ने बेदखल कर दिया था। आठवीं फेल विशाल और पांचवीं पास नीरज दोनों सगे भाई हैं। दोनों पांचवीं पास सौरभ के दोस्त हैं। दोनों चंद्रबानी देहरादून में किराये का कमरा लेकर जाली नोट बनाने का काम करते थे। सौरभ पिछले 15, 20 दिन से विशाल के साथ उनके कमरे पर रह रहा था। विशाल के माध्यम से ही मोहित से उसकी दोस्ती हुई। मोहित भी देहरादून में किराये के कमरे में रहकर नकली नोट छापता था। लालच में सौरभ भी इनके के साथ जुड़ गया। आरोपी निखिल 12वीं तक पढ़ा है। आरोपी अनंतबीर 12वीं पास है। वह वर्ष 2001 में बंगाल इंजीनियर सेंटर (आर्मी) में भर्ती हुआ था। 2004 में जब उसका एक्सीडेंट हुआ तो उसने नौकरी छोड़ दी। वर्ष 2022 में जीआरपी थाना बिजनौर से वह लूट के मामले में जेल गया। फिर इसके बाद किसी के माध्यम से उसकी दोस्ती मोहित से हो गई और इस धंधे में उतर गया।

कई जन संगठनों ने राज्यपाल को लिखा खुला पत्र

राज्य में महिलाओं पर हो रहे अत्याचारों को छिपाने की कोशिश की जा रही

देहरादून। 18 राज्यों के 53 महिला एवं जनसंगठनों के साथ 100 आंदोलनकारियों, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और अन्य लोगों ने राज्यपाल के नाम पर खुला पत्र लिखा। उन्होंने प्रदेश सरकार पर आरोप लगाया कि नफरती हिंसा और दुष्प्रचार फैलाकर राज्य में महिलाओं पर हो रहे अत्याचारों को छिपाने की कोशिश की जा रही है। कहा, एक प्रकार के अपराधों को छिपाने के लिए दूसरी प्रकार के अपराधों को बढ़ावा दिया जा रहा है। पत्र में बताया गया है कि उत्तराखंड में बीते कुछ सप्ताहों में महिलाओं पर अत्याचार की कई घटनाएं हुई हैं। जिनमें रुद्रपुर, देहरादून, सल्ट और लालकुआं की घटनाएं शामिल हैं। सबसे ज्यादा चिंताजनक बात है कि सल्ट और लालकुआं में सत्ताधारी भाजपा के नेता आरोपित हैं। लेकिन पहले पुलिस ने इन आरोपियों की गिरफ्तारी तक नहीं की और फिर उन पर हल्की धाराएं लगा रही है। इन्ही सप्ताहों में चंद संगठन एवं व्यक्ति ने कीर्तिनगर, चमोली, रुद्रप्रयाग, देहरादून और अन्य जगहों में महिलाओं की सुरक्षा के बहाने धर्म के आधार पर बेकसूर लोगों पर हमले किए हैं। सरकार को यह भी याद होना चाहिए कि 2023 में उत्तरकाशी के पुरोला में ऐसे ही आपराधिक अभियान चलाया गया था। बाद में पता चला कि कथित छेड़छाड़ की घटना फर्जी थी। इन सारे आपराधिक घटनाओं के लिए आज तक किसी भी जिम्मेदार व्यक्ति या संगठन पर कार्रवाई नहीं हुई है। आरोप लगाया, उत्तराखंड सरकार महिलाओं और जनता को सुरक्षा देने में विफल रही है। ऐसा लग रहा कि सत्ताधारी दल और उनके संगठनों से जुड़े अपराधियों को संरक्षण मिल रहा है। अब राज्यपाल सरकार को निर्देशित करें कि महिलाओं पर हो रहे अपराधों और नफरत फैलाने वाले अपराधों पर भी सख्त कार्रवाई की जाए। पत्र भेजने वालों में ऑल इंडिया फेमिनिस्ट एलायंस, मीरा संघमित्रा, एनएपीएम, नेशनल काउंसिल ऑफ विमैन लीडर्स, अफकार इंडिया फाउंडेशन, रिवॉल्यूशनरी यूथ एसोसिएशन, फेमिनिस्ट्स इन रेसिस्टेंस, बेबाक कलेक्टिव, स्वावलंबन समाज विकास संस्था, संभावना इंस्टीट्यूट, वन गुज्जर ट्राइबल युवा संगठन, इंडिया कम्यूनिटी एक्टिविस्ट नेटवर्क, जनशक्ति, फोरम अगेंस्ट ऑपरेसन ऑफ विमैन, वन पंचायत संघर्ष मोर्चा, एआईएसएफ, आदिवासी मुक्ति संगठन, मनरेगा मजदूर यूनियन, दलित अधिकार अभियान, झारखंड किसान परिषद, पीयूसीएल, स्वराज इंडिना, अलिफा औरंगाबाद, खेत मजदूर किसान संग्राम समिति, नागा बैगा जन शक्ति संगठन, जय आदिवासी युवा संगठन, उत्कल सर्वोदय मंडल, किसान मजदूर संगठन सीतापुर, बुंदेलखंड दलित अधिकार मंच, अवध यूथ कलेक्टिव, यूपी लैंड फोरम, दिल्ली फोरम, उत्तराखंड महिला मंच, हिमल प्रकृति, ऑल इंडिया युवा भारत, समदृष्टि मीडिया आदि।

सौंग बांध विस्थापितों को रानीपोखरी में बसाने की तैयारी, वन भूमि चिह्नित

देहरादून। सौंग बांध परियोजना के विस्थापितों को रानीपोखरी क्षेत्र में बसाने की तैयारी है। इसके लिए सिंचाई विभाग ने वहां उद्योग और रेशम विभाग की भूमि को प्रारंभिक तौर पर चिह्नित की है। इस भूमि को लेकर प्रभावित परिवारों ने अपनी सहमति दे दी है। ऐसे में पुनर्वास का मामला जल्द हल होने के आसार हैं। सौंग बांध परियोजना के जरिए देहरादून और आसपास के क्षेत्र में 150 एमएलडी पेयजल आपूर्ति की जानी है। इसके लिए सौंग नदी पर पांच किमी की झील बननी है। इस झील के निर्माण से सौंधाना, घुड़साल और प्लेड गांव के 30 परिवार विस्थापित हो रहे हैं। इन परिवारों के पुनर्वास के लिए भूमि की तलाश की जा रही थी। सिंचाई विभाग ने पहले 15 हेक्टेयर भूमि देखी थी, बाद में यह वन भूमि निकली। बाद में नए सिरे से भूमि को तलाश किया जा रहा था। अब रानीपोखरी क्षेत्र में करीब 11 हेक्टेयर भूमि को चिह्नित किया गया है। यह भूमि उद्योग और रेशम विभाग की है, ऐसे में भूमि को लेकर अन्य प्रक्रियाओं और फाइनल निर्णय अभी बाकी है। सिंचाई विभाग के मुख्य अभियंता सुभाष पांडे कहते हैं कि हर परिवार को आधा एकड़ भूमि और 200 वर्ग फीट आवासीय भूमि मिलेगी। प्रभावित परिवारों से बातचीत गई है, वे चिह्नित भूमि से सहमत हैं। विस्थापित होने वाले परिवारों को दो करोड़ की राशि देने का भी विकल्प दिया गया था, लेकिन उन्होंने भूमि लेने की बात कही है। सौंग बांध परियोजना निर्माण पर करीब 2,500 करोड़ की राशि खर्च होगी। पांच साल में बांध बनने का लक्ष्य रखा गया है।

उत्तराखंड के चार गांवों को मिलेगा सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम पुरस्कार

जखोल गांव को साहसिक पर्यटन, सूपी को कृषि पर्यटन और हर्षिल और गुंजी गांव को वाइब्रेंट विलेज के लिए किया जाएगा सम्मानित

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की उत्तराखंड को पर्यटन प्रदेश बनाने की मुहिम रंग ला रही है। ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने पर केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय की ओर से राज्य के चार गांवों को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन दिवस पर सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। आगामी 27 सितंबर को नई दिल्ली में यह पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया जाएगा। पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार द्वारा हर वर्ष राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। संस्कृति और प्राकृतिक संपदा के संरक्षण, समुदाय आधारित मूल्यों व जीवन शैली को बढ़ावा देने एवं आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति प्रतिबद्धता को इसमें परखा जाता है। इन्हीं विषयों पर प्रविष्टियां आमंत्रित की जाती हैं। इस वर्ष प्रविष्टियों के आधार उत्तराखंड के चार गांवों का इस पुरस्कार के लिए चयन हुआ है। उत्तरकाशी जिले के जखोल गांव को साहसिक पर्यटन, हर्षिल गांव को वाइब्रेंट विलेज, पिथौरागढ़ जिले के सीमान्त गुंजी गांव को वाइब्रेंट विलेज और नैनीताल जिले के सूपी गांव को कृषि पर्यटन के लिए सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम पुरस्कार के लिए चुना गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सभी ग्रामवासियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के पर्यटन विकास में आम जनता की अहम भूमिका है। उत्तराखंड को पर्यटन प्रदेश के रूप में स्थापित करने के लिए प्रदेश सरकार हरसंभव प्रयास कर रही है, इसके लिए कई योजनाएं लागू की गई हैं, लेकिन राज्य की देवतुल्य जनता के सहयोग से ही यह लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

उत्तराखंड में खेल महाकुंभ एक अक्टूबर से कराने के निर्देश

देहरादून(उद संवाददाता)। प्रदेश में 38वें राष्ट्रीय खेलों से पहले खेल महाकुंभ होगा। खेल मंत्री रेखा आर्या ने खेल निदेशालय में विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को एक अक्तूबर से इसे कराने के निर्देश दिए। मंत्री ने बताया कि चंपावत महिला स्पोर्ट्स कॉलेज के लिए विभाग ने 264 करोड़ रुपए का अनुमानित बजट बनाया है। प्रयास किया जा रहा है कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय खेलों के शुभारंभ के साथ ही महिला स्पोर्ट्स कालेज एवं खेल विश्वविद्यालय का शिलान्यास करें। खेल मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय खेलों के लिए सरकार और विभाग पूरी तरह से तैयार है। खेलों के लिए तिथि की घोषणा का इंतजार है। इस मसले पर भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी ऊषा और केंद्रीय खेल मंत्री से भी बात हुई है। राजीव गांधी स्टेडियम, राष्ट्रीय खेल होने तक खेल विभाग के अधीन रहेगा। प्रयास किया जाएगा कि स्टेडियम में अंतरराष्ट्रीय खेल हों। बैठक में मुख्यमंत्री उदीयमान खिलाड़ी उन्नयन योजना, मुख्यमंत्री खिलाड़ी प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री खेल विकास निधि, हल्द्वानी में खेल विश्वविद्यालय की स्थापना के संबंध में भी चर्चा की गई। बैठक में खेल मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि मुख्यमंत्री उदीयमान खिलाड़ी उन्नयन योजना एवं प्रोत्साहन योजना के लाभार्थियों को अवशेष छात्रवृत्ति का भुगतान डीबीटी के माध्यम से एक अक्तूबर तक कर दिया जाए। जबकि योजना के चयन ट्रायल्स हर साल शैक्षणिक सत्र के अनुसार अप्रैल एवं जून के मध्य किया जाए। मंत्री ने यह भी कहा, खेल विभाग पंजीकृत खेल संघों की सूची अपनी वेबसाइट में प्रदर्शित करें, जिससे खेल संघों की जानकारी प्राप्त की जा सके। बैठक में विशेष प्रमुख सचिव अमित सिन्हा, खेल निदेशक जितेन्द्र कुमार सोनकर, प्रभारी अपर निदेशक अजय कुमार अग्रवाल, शक्ति सिंह, नीरज गुप्ता, संजीव कुमार पौरी, राजेश ममगाई, कमल कान्त शर्मा आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री वात्सल्य योजना में पकड़ा फर्जीवाड़ा

देहरादून(उद संवाददाता)। उत्तराखंड में कोविड के दौरान अपने माता-पिता या संरक्षक को खो चुके बच्चों की देखभाल के लिए शुरू की गई मुख्यमंत्री वात्सल्य योजना में धांधली पकड़ी गई है। विभागीय जांच में 113 अपात्र इस योजना का लाभ लेते मिले हैं, इनमें आठ मृतक भी हैं। महिला कल्याण विभाग के निदेशक प्रशांत आर्य के मुताबिक, राज्य में मुख्यमंत्री वात्सल्य योजना को एक जुलाई 2021 से शुरू किया गया था। एक मार्च 2020 से 31 मार्च 2022 की अवधि में कोविड महामारी एवं अन्य बीमारियों से अपने माता-पिता या संरक्षक को खो चुके जन्म से 21 साल तक के बच्चों को योजना के तहत चयनित किया गया था। योजना की शुरुआत में 6,544 बच्चों को लाभान्वित किया जा रहा था। इनमें से 684 बच्चों को 21 वर्ष की आयु पूरी हो जाने के कारण योजना से बाहर कर दिया गया था। निदेशक के मुताबिक, वित्तीय वर्ष 2023-24 में योजना की जांच कराई गई, जिसमें 113 बच्चे अपात्र मिले हैं। इनमें 50 बच्चों के अभिभावकों ने पुनर्विवाह कर लिया है। 19 बच्चों की नौकरी लग गई है। 29 का विवाह हो गया, आठ की मौत हो गई, जबकि सात अन्य अपात्र मिले हैं। इन सभी को योजना से हटा दिया है। अब इस योजना का लाभ लेने वाले बच्चों की संख्या 5,747 हो गई है। अपात्र बच्चों के योजना का लाभ लेने के मामले में विभाग के अधिकारियों का कहना है कि कुछ बच्चों ने विभाग को योजना से बाहर करने के लिए बारे में जानकारी दी थी। लेकिन, कुछ जांच में पकड़ में आए हैं। निदेशक के मुताबिक, भविष्य में ऐसा न हो इसके लिए अधिकारियों को निर्देश दे दिए गए हैं। भविष्य में इस तरह के मामले में अधिकारियों की जवाबदेही भी तय की जाएगी। मुख्यमंत्री वात्सल्य योजना के तहत पात्र बच्चों को विभाग की ओर से हर महीने तीन हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। डीबीटी से उन्हें यह सहायता दी जाती है, लेकिन जुलाई व अगस्त 2024 की आर्थिक सहायता उन्हें नहीं मिली। विभाग के निदेशक प्रशांत आर्य के मुताबिक, पात्र बच्चों को आर्थिक सहायता के भुगतान की अनुमति मिल चुकी है। अगले सप्ताह तक उनके खातों में धनराशि जारी कर दी जाएगी।

दुष्कर्म के आरोपी मुकेश बोरा की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की पांच टीमों का गठन किया

हल्द्वानी(उद संवाददाता)। नैनीताल दुग्ध संघ अध्यक्ष मुकेश बोरा की गिरफ्तारी पर रोक लगाने से जुड़ी याचिका हाई कोर्ट से खारिज होते ही पुलिस ने उसकी तलाश शुरू कर दी है। एसओजी समेत पांच टीमों ने बुधवार को गिरफ्तारी के लिए संभावित स्थानों पर दबिशें दीं। पुलिस ने बोरा के विरुद्ध पहले ही कुर्की वारंट ले रखा है। ऐसे में अगर वह गिरफ्तार नहीं होता है तो पुलिस उसके घर की कुर्की कर सकती है। पुलिस के अनुसार, मुकेश बोरा का मोबाइल 17 सितंबर से बंद है। बुधवार को वह अल्मोड़ा कोतवाली में भी पेश नहीं हुआ। एक सितंबर को लालकुआं कोतवाली में मुकेश बोरा के विरुद्ध दुष्कर्म की धारा में प्राथमिकी हुई थी, जिसके बाद मामले में पाक्सो एक्ट की धारा बढ़ाई गई। दुष्कर्म पीड़िता ने अपनी नाबालिग बेटी के साथ भी छेड़छाड़ का आरोप लगाया

था। प्राथमिकी होते ही मुकेश बोरा फरार हो गया। उसके विरुद्ध पुलिस ने गैर जमानती वारंट जारी कराया। इधर, मुकेश बोरा हाई कोर्ट से गिरफ्तारी स्टे ले आया। हाई कोर्ट ने चेतावनी भी दी थी, जिसके तहत जमानत स्टे की अंतिम तारीख तक मुकेश बोरा को हर रोज अल्मोड़ा कोतवाली में हाजिरी लगानी पड़ रही थी। बुधवार को हाई कोर्ट ने बोरा की गिरफ्तारी पर रोक लगाने की मांग करती याचिका खारिज कर दी। इसका आदेश पहुंचते ही पुलिस ने उसकी तलाश के लिए दोबारा दबिश देनी शुरू कर दी है। एसओजी समेत तेज तर्रार दारोगाओं की पांच टीमें लगाई हैं। एसएसपी, प्रह्लाद नारायण मीणा ने बताया कि मुकेश बोरा की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कर दी हैं। अल्मोड़ा से लेकर नैनीताल तक संभावित जगह पर दबिश दी जा रही है। उसे जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

प्राचीन रामलीला मंचन के लिए पात्रों का चयन

प्रभु श्री राम का रोल मनोज अरोड़ा, रावण की भूमिका में विशाल और हनुमान जी का किरदार निभाएंगे सुशील गाबा

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। नगर की प्रमुख प्राचीन बस अड्डे वाली रामलीला के शुभारंभ की तैयारियां शुरू हो गयी है। श्री राम नाटक क्लब के डायरेक्टर आशीष ग्रोवर आशु एवं महामंत्री गौरव तनेजा ने बताया कि रामलीला में विभिन्न पात्रों का चयन किया जा चुका है। श्री रामलीला में प्रभु श्री राम का रोल मनोज अरोड़ा, सीता माता का रोल गौरव जग्गा, रावण का रोल विशाल भुड्डी और हनुमान जी का रोल सुशील गाबा करेंगे। गणेश जी की भूमिका में आशीष ग्रोवर आशु, मेघनाद के रोल में रमन अरोड़ा, कुंभकरण की भूमिका में अमन गुंबर, विश्वामित्र और बूढ़ा मारीच की भूमिका में मोहनलाल भुड्डी, लक्ष्मण की भूमिका में गौरव राज बेहड , शत्रुघ्न की भूमिका में सौरभ राज बेहड़, भरत एवं श्रवण की भूमिका में पुलकित बांबा, राजा जनक, केके और केवट की भूमिका में अनिल तनेजा, केकई की नरेश छाबड़ा दशरथ की भूमिका में प्रेम खुराना व संजीव आनंद, सुग्रीव की भूमिका में विशाल अनेजा बाली और राजा इंद्र की भूमिका में वैभव भुड्डी, नारद लखटकिया नरेश, मारीच की भूमिका में मनोज मुंजाल, वेदवती, अंगद जी की भूमिका में गौरव जग्गा, तारा और कौशल्या की भूमिका में सुमित आनंद, सुमंत और विभीषण की भूमिका में सचिन आनंद, स्वरूपनखा और सुबाहु की भूमिका में सचिन मुंजाल, छोटे राम की भूमिका में कनव गंभीर व छोटे लक्ष्मण की भूमिका में पुरु राज बेहड़ और छोटे अंगद की भूमिका में आशमन अरोरा, छोटे हनुमान की भूमिका में ऐश तनेजा अभिनय करेंगे। जामवंत की भूमिका में रोहित खुराना, नल नील की भूमिका में आयुष ध मीजा व हर्षित अरोड़ा, कामदेव की भूमिका में मोहक अरोड़ा, परशुराम की भूमिका में गुरशरन बब्बर शरणी बब्बर, एवम राम दल के सेनापति के रूप में आयुष्मान सुशील गाबा अभिनय करेंगे। शंकर जी की भूमिका में माधव आनंद, ब्रह्मा जी की भूमिका में नीतीश धीर, काला देव नजर आयेंगे। जोकर पार्टी में रामकृष्ण कनौजिया, कुक्कू शर्मा, गोगी नरूला और इदरीस गोला की टीम सेवा करेगी। रामलीला के दौरान चाय और पुलाव की सेवा गत वर्षों की तरह इस बार भी चोपड़ा ग्रुप द्वारा की जायेगी। मेकअप का कार्य अनिल शर्मा करतारपुर वाले, सीनरी का कार्य अमित कुमार वर्मा और नृत्य का प्रोग्राम मुजफ्फरनगर के मेहमान कलाकारों द्वारा किया जाएगा।

अवैध कच्ची शराब के साथ दो तस्कर दबोचे

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। अवैध शराब माफियाओं के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने दो तस्करों को कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार कर लिया। जबकि एक तस्कर मौके से फरार हो गया। एक तस्कर से 385 पाउच जबकि दूसरे से 45 पाउच शराब बरामद की गयी। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार मेडिसिटी हॉस्पिटल के पास दो लोग मोटरसाईकिल में कुछ कट्टे ले जा रहे थे। गश्ती पुलिस ने दोनों का पीछा किया तो बाइक सवारों ने आगे चलकर बाइक पर रखे कट्टै एक चाहदिवारी के अंदर रख दिये। तभी पुलिस ने मौके से एक व्यक्ति को पकड़ लिया जबकि बाइक चला रहा व्यक्ति फरार हो गया। जब कट्टों की तलाशी ली गयी तो उसमें 385 पाउच कच्ची शराब बरामद हुयी। पकडे गये व्यक्ति ने पूछताछ में अपना नाम सुखदेव सिह पुत्र दर्शन सिह निवासी बिन्दुखेडा बताया। जबकि मोटर साईकिल मे भागने वाले व्यक्ति का नाम संदीप निवासी बिन्दुखेडा बताया। वहीं रामपुर रोड़ पर गश्त के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि गिल रिजोर्ट के पीछे खाली पड़ी जमीन में पेड़ के पीछे बैठकर एक व्यक्ति कच्ची शराब बेच रहा है।जब मौके पर पहुंचे तो उक्त व्यक्ति भागने की कोशिश करने लगा जिस पर पुलिस ने उसे दबोच लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम अमर सिंह पुत्र स्व0 गेंदन लाल निवासी वार्ड न0-08 रम्पुरा बताया। उसके पास मिले सफेद प्लास्टिक के कट्टे 45 पाउच कच्ची शराब बरामद की गयी।

विकास कार्यों में उपेक्षा पर जिंप बैठक में हंगामा

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। जिला पंचायत की आज हुई बैठक में विकास कार्यों में उपेक्षा का आरोप लगाते हुए कुछ सदस्यों द्वारा जमकर हंगामा किया गया। जिसके बाद अध्यक्ष द्वारा सभी क्षेत्रों में समान रूप से विकास कराये जाने का आश्वासन देकर उन्हें शांत कराया गया। इससे पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष रेनू गंगवार की अध्यक्षता में बैठक प्रारम्भ होने के बाद कई प्रस्तावों पर चर्चा शुरू हुई। तभी कुछ सदस्यों ने अपने क्षेत्रों में विकास कार्यों के न कराये जाने पर गहरा रोष व्यक्त करते हुए जमकर हंगामा करना शुरू कर दिया गया। उनका आरोप था कि वह अपने क्षेत्रों के विकास कार्यों के प्रस्ताव बनाकर देते हैं। लेकिन उन पर कोई गौर नहीं किया जाता है। जबकि कुछ विशेष क्षेत्रों में ही विकास को प्रमुखता दी जा रही है। उन्होंने ऐसे कार्यों में कमीशनबाजी का भी मुद्दा उठाया। जिपं अध्यक्ष ने सभी रोषित सदस्यों को शांत करते हुए कहा कि सभी क्षेत्रों में समान रूप से विकास कराये जायेंगे। भविष्य में किसी भी सदस्य को कोई शिकायत का मौका नहीं दिया जायेगा। बैठक में जिन प्रस्तावों पर चर्चा की गई उनमें जिला पंचायत परिसर में केंटीन का निर्माण कराये जाने, अध्यक्ष आवास व अतिथि गृह का विस्तारीकरण करने ,जिल पंचायत परिसर में बने कर्मचारियों के आवासों का जीणोंद्धार करने, नियमित कर्मचारियों, आउट सोर्स कर्मियों, उपनल कर्मियों तथा सेवानिवृत कर्मियों के साथ साथ जिला पंचायत के सामान्य वित्तीय कार्य, राज्य वित्त आयोग,15 वां वित्त आयोग, सांसद निधि,जिला योजनाएवं विधायक निधि के अन्तर्गत सम्पादित कराये गये विकास कार्यों के भुगतान पर विचार किया गया। बैठक में जिला पंचायत के अन्य सदस्यों के साथ ही विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला ने खाया जहर

गदरपुर(उद संवाददाता)। पारिवारिक विवाद के चलते 28 वर्षीय महिला ने जहरीला पदार्थ खा लिया। उपचार के दौरान महिला की निजी अस्पताल में मौत हो गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। शुक्रवार की दोपहर पोस्टमार्टम के उपरांत महिला का अंतिम संस्कार कर दिया गया। जानकारी के अनुसार बृहस्पतिवार की सुबह करीब आठ बजे ग्राम पिपलिया नंबर एक निवासी गौतम राय की 28 वर्षी पत्नी ममता राय का किसी बात को लेकर पड़ोसियों से विवाद हो गया। मामला इस कदर बिगड़ गया कि आवेश में आकर ममता राय ने घर में रखा जहरीला पदार्थ निगल लिया। उसकी तबीयत बिगड़ गई। परिजन ममता राय को उपचार के लिए रुद्रपुर के एक निजी अस्पताल में ले गए। अस्पताल में चिकित्सकों के अथक प्रयासों के बावजूद ममता राय की हालत में सुधार नहीं हो सका और दोपहर बाद उसने दम तोड़ दिया। महिला की मौत की सूचना मिलने पर रुद्रपुर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर परिजनों से जानकारी हासिल की और मृतका के शव को पंचनामे के उपरांत पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। शुक्रवार को पोस्टमार्टम के उपरांत मृतक ममताराय के पार्थिव शरीर को ग्राम पिपलिया नंबर एक स्थित आवास पर लाया गया। जहां गमगीन माहौल में उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया । मृतक का ममता रायअपने पीछे एक वर्षीय पुत्र को रोता बिलखता छोड़ गई है।

ई रिक्शा चालक का शव मिलने से सनसनी

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। दिनेशपुर क्षेत्र में ई रिक्शा चालक का शव मिलने से सनसनी फैल गयी। सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनेशपुर क्षेत्र के ग्राम दुर्गापुर में आज प्रात: पापुलर के खेत में एक व्यक्ति का शव पाया गया उसके पास ही एक ई रिक्शा भी खड़ा हुआ था। मृतक के शरीर पर चोटों के निशान मौजूद थे। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस कर्मी मौके पर पहुचे और उन्होंने शव कब्जे में लेकर उसकी शिनाख्त करवाई । जिसकी पहचान ई रिक्शा चालक ग्राम अमरपुर निवासी 50 वर्षीय जगदीश सिंह पुत्र खंडा सिंह के रूप में हुई। उसके भाई मंगत सिंह ने बताया कि अमरीक सिंह गत दोपहर को घर के अपना ई रिक्शा लेकर गया था परंतु उसके बाद से घर वापस नहीं लौटा। उसकी रात्रि में खोजबीन भी की गई। उसने सन्देह व्यक्त करते हुए कहा कि उसके भाई की किन्हीं लोगों ने हत्या की है और उसका मोबाईल भी अपने साथ ले गये है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामे की कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मृतक अमरीक की चार पुत्रियों में तीन का विवाह हो चुका है जबकि दो पुत्र भी अविवाहित हैं। घटना से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

प्रभु राम की लीला हमारे लिए आदर्श: नारंग

ग्राम कुंदन नगर पांच नंबर में श्री रामलीला मंचन का शुभारंभ

गदरपुर(उद संवाददाता)। ग्राम कुंदन नगर नम्बर पांच में श्री राम लीला का शुभारंभ मुख्य अतिथि भाजपा जिला महामंत्री अमित नारंग ने फीता काट कर किया। अमित नारंग ने कहा कि प्रभु श्री राम की लीला हमारे लिए आदर्श है। प्रभु राम की प्रेरणा हमें सत्य मार्ग पर चलाती है। उन्होंने कहा कि प्रभु राम ने चौदह वर्ष बनवास में रहकर कठिन परिश्रम और सत्य मार्ग पर चलकर हर व्यक्ति को सीखने का सुंदर अवसर दिया है। इससे पूर्व पंडित चौधरी राम शर्मा ने पूजा अर्चना करवाई। राम लीला मंचन के प्रथम दिन नारद मोह की लीला का मंचन किया गया। इस अवसर पर स. सुरजीत सिंह कालड़ा, कमेटी अध्यक्ष नितिन बजाज, ग्राम प्रधान महेंद्र सैनी, विजय बजाज, तिलक राज खुराना, अशोक शर्मा, सुनील पाहवा, सतपाल चावला आदि मौजूद थे।

धूमधाम से निकली श्याम बाबा की निशान यात्रा, जयकारों के साथ किया स्वागत

गदरपुर(उद संवाददाता)। श्री श्याम बाबा खाटू वाले को समर्पित भव्य निशान यात्रा का आयोजन श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा किया गया। भव्य निशान यात्रा का शुभारंभ पंडित विजय शास्त्री द्वारा श्री सनातन धर्म मंदिर बुध बाजार में मंत्रोच्चारण के साथ किया गया। तत्पश्चात सर्वत्र सुख समृद्धि की कामना के साथ भव्य निशान यात्रा का शुभारंभ हुआ। निशान यात्रा में सैकड़ो महिला पुरुष रंग-बिरंगे परिधानों में सजे हुए और श्री श्याम बाबा के निशान पताकाओं के साथ सुसज्जित होकर शामिल हुए। निशान यात्रा श्री सनातन धर्म मंदिर बुध बाजार से होकर मुख्य बाजार ,गूलरभोज रोड, पंजाबी कॉलोनी होते हुए वार्ड नंबर 10 श्री रामलीला मंच पुरानी अनाज मंडी पहुंचकर संपन्न हुई ।श्रद्धालुओं द्वारा जगह जगह निशान यात्रा में शामिल संगत का प्रसाद ,पुष्प वर्षा एवं जयकारों से जोरदार स्वागत किया गया।श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा अनाज मंडी में रात्रि विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया । निशान यात्रा में इस्कॉन मंदिर रुद्रपुर के भक्तों द्वारा भजन कीर्तन करते हुए माहौल को भक्तिमय बनाया गया।वहीं महिला संकीर्तन मंडल एवं युवाओं द्वारा भी सहभागिता करते हुए कीर्तन एवं नृत्य से वातावरण को धार्मिक रंग दिया वहीं पुलिस प्रशासन द्वारा भी जगह-जगह अपनी सेवाएं प्रदान की गई । इस मौके पर श्री श्याम मित्र मंडल के अध्यक्ष सतीश अनेजा ने बताया कि श्री श्याम मित्र मंडल के सेवादारों द्वारा निष्काम सेवाएं प्रदान करते हुए भव्य निशान यात्रा में सहयोग दिया उसके लिए वह सभी का आभार जताते हैं उन्होंने बताया कि 21 सितंबर सायंकाल अनाज मंडी में श्री श्याम बाबा खाटू वाले का भव्य दरबार सजाया जा रहा है जिसमें भजन गायको द्वारा भजन कीर्तन करके अपनी सेवाएं प्रदान की जाएगी । साथ ही भंडारे के आयोजन के अलावा स्टाल लगाए जाएंगे। भाजपा जिलाध्यक्ष गुंजन सुखीजा ने कहा कि धार्मिक प्रोग्राम में सबको बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए इस दौरान अभिषेक गुंबर मुनि भुसरी, जीतू गंगवार, सनी गांधी, वेदराज बजाज, अजय खेड़ा, सोमनाथ छाबड़ा, सीताराम चौहान, प्रवीण गुंबर, देवेंद्र चौधरी, समन मुंजल, राहुल चंद्र, सार्थक सुखीजा, नितिन छाबड़ा, राजीव पापनेजा, संतोष गुप्ता, सतपाल गुंबर, राजेश गुंबर, राजकुमार भुड्डी, राकेश भुड्डी, राजू सिंधी सहित तमाम लोग शामिल रहे।

इन्टिग्रेटेड एक्वा पार्क का निर्माण तेजी से करें पूर्णः पुरूषोत्तम

एक्वापार्क में पंगेशियस व तिलापियां मछली की दो हैचरी, मछली प्रोसेसिंग यूनिट, ट्रेनिंग सेंटर के साथ ही प्रशासनिक ब्लाक बनाये जायेगें

सितारगंज (उद संवाददाता)। जनपद प्रभारी एवं सचिव पशुपालन, मत्स्य एवं डेरी विकास विभाग डॉ. बीवीआरसी पुरूषोत्तम ने अपने एक दिवसीय जनपद भ्रमण के दौरान विकास खण्ड सितारगंज के ग्राम प्रहलाद पलसिया, कल्याणपुर, बमनपुरी एवं ग्राम पंचायत बसगर शक्तिफार्म में राज्य व केन्द्र सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के साथ ही मतदाता बुथ का स्थलीय निरीक्षण किया। सचिव श्री पुरूषोत्तम ने ग्राम प्रहलाद पलसिया में मत्स्य विभाग का निर्माणाधीन इन्टिग्रेटेड एक्वा पार्क का निरीक्षण किया। एक्वापार्क लगभग 40 एकड़ में 53.39 करोड़ की लागत से कार्यदायी संस्था सिंचाई प्रोजेक्ट देहरादून द्वारा बनाया जा रहा है। कार्यदायी संस्था के अधीक्षण अभियंता ने बताया कि वर्षाकाल में जल भराव के कराण कार्य रूक गया था, लेकिन अब कार्य द्रुतगति से सभी कार्य एक साथ किये जायेगें तथा 15 माह के भीतर पूर्ण कर लिए जायेगें। उन्होने बताया कि एक्वापार्क में पंगेशियस व तिलापियां मछली की दो हैचरी, मछली प्रोसेसिंग यूनिट, ट्रेनिंग सेंटर के साथ ही प्रशासनिक ब्लांक बनाये जायेगें। जिस पर सचिव ने एक्वा पार्क की साप्ताहिक कार्य प्रगति समीक्षा व मॉनिटरिंग करने के निर्देश मुख्य विकास अधिकारी मनीष कुमार को मौके पर दिये। इसके उपरांत जनपद प्रभारी सचिव ने ग्राम पंचायत कल्याणपुर में आंगनबाड़ी केन्द्र का निरीक्षण किया व महिला स्वंय सहायता समूह द्वारा उत्पादित सामाग्री एपड़, किरिंग, मूंज घास की टोकरी, एलईडी बल्व आदि सामाग्री का निरीक्षण किया व उनसे वार्ता की। उन्होने कल्याणपुर गांव में संचालित देवभूमि जनसेवा केन्द्र सीएससी का भी निरीक्षण किया। इसके बाद सचिव श्री पुरूषोत्तम ने बमनपुरी के ग्राम चौमेला में गोटवैली योजना के अन्तर्गत संचालित एवं राज्य सैक्टर योजना एवं यूएसजीसीएफ द्वारा वित्त पोषित श्रीमती राजवती व रंजीता देवी के बकरीबाड़ा का निरीक्षण किया व उनसे जानकारियां ली। सचिव ने राजकीय प्राथमिक विद्यालय बमनपुरी में मतदेय स्थल का निरीक्षण किया व बीएलओ मीना राणा व पुष्पावती से जानकारी ली व बीएलओ रजिस्टर समय से पूर्ण करने के निर्देश दिये। इसके पश्चात सचिव ने अधिकारियों के साथ ग्राम पंचायत बसगर, शक्तिफार्म में चारा उत्पादक सहकारी समिति का निरीक्षण किया। समिति के अध्यक्ष प्रभा रावत, सचिव उषा सरकार ने बताया कि इस समिति में 546 सदस्य जुड़े है। समिति का मुख्य उत्पादन मक्के का साइलेज, भूसा बनाया जाता है। समिति का वार्षिक टर्नओवर 1 करोड़ 70 लाख है जिसमे समिति का शुद्ध लाभ 15 लाख 20 हजार है। उन्होने बताया कि समिति के प्रबन्ध कमेटी में 10 सदस्य है व सितम्बर माह तक समिति की 13 बैठके कर हो चुकी है। उन्होने इस दौरान योगेन्द्र सिंह रावत संचालित गौशाला, डेरी व पिगरी फार्म का निरीक्षण किया। उन्होने कार्यो पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुये कहा सरकार द्वारा जो भी सहायता होगी अवश्य की जायेगी। योगेन्द्र सिंह रावत की मांग पर एक उन्नत नस्ल का जर्सी बैल सांड उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी मनीष कुमार, उप जिलाधिकारी रविन्द्र जुआठा, खण्ड विकास अधिकारी सीआर आर्या, अपर निदेशक पशुपालन डॉ उमाशंकर, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ एसबी पाण्डे, अधीक्षण अभियंता सिंचाई परियोजना खण्ड देहरादून शरद श्रीवास्तव, अधि शासी अभियंता कमल सिंह, सहायक अभियंता राजीव सोनी, तहसीलदार पूजा शर्मा,वरिष्ठ मत्स्य निरीक्षण रविन्द्र कुमार, सहायक निर्वाचन अधिकारी आरएस अधिकारी आदि मौजूद थे।

बालिकाओं के लिए असुरक्षित स्थानों के चिन्हीकरण विषय पर कार्यशाला आयोजित

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। जिलाधिकारी के निर्देशानुसार संवेदीकरण कार्यशाला में गुरूवार को डीएवी सेंटनरी स्कूल में महिला एवम बाल विकास विभाग द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत "बालिकाओं द्वारा असुरक्षित स्थानों के चिन्हीकरण" विषय में कार्यशाला आयोजित की गई।कार्यशाला में जनपद के विभिन्न विभाग पुलिस, स्वास्थ, शिक्षा एवम परिवीक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा बालिकाओं से उनकी समस्याओं के बारे में चर्चा की गई। अपर निदेशक, प्रशिक्षण ऋचा सिंह ने बालिकाओं से वार्ता करते हुए ऐसे स्थानों के बारे में पूछा जहां पर वह असुरक्षित महसूस करती हैं। साथ ही बताया कि पिछली कार्यशालाओं में चिन्हित स्थानों पर समस्त संबंधित विभागों द्वारा कार्यवाही भी की जा रही है। बाल विकास परियोजना अधिकारी शिल्पा जोशी ने बालिकाओं को बिना डरे असुरक्षित स्थानों को चिन्हित करने के लिए कहा एवम बताया कि हल्द्वानी में इन कार्यशालाओं का असर देखने को मिल रहा है। बालिकाओं द्वारा हल्द्वानी में विभिन्न स्थानों को चिन्हित किया गया जैसे रिलायंस मॉल, कमलुआगांजा के पीछे आम का बगीचा, मेन मार्केट हल्द्वानी, डहरिया में इकोटाउज और पलैजियो के आसपास, हिम्मतपुर मल्ला, हरीनगर, दयाल विहार, कुसुमखेड़ा, त्रिमूर्ति चौराहे के आसपास गलियों में, आरके टेंट हाउस रोड, जगदम्बा नगर पार्क आदि। बालिकाओं द्वारा बताया गया कि आम के बगीचे, रिलायंस मॉल के पीछे, कमलुआगांजा पर हर दिन ड्रग्स और शराब के नशे में लड़के झुंड बनाकर बैठे रहते हैं और आते जाते लड़कियों से छेड़खानी करते हैं। यह बेहद संवेदनशील जगह है जहां पर अप्रिय घटना होने की संभावना है। कुछ चिन्हित स्थानों में ड्रग्स और शराब का कारोबार भी चलता है। सुनसान रास्ते में लड़के पीछा करते हैं, ऑटो वाले जानबूझकर सुनसान रास्ते से ले जाते हैं, अंधेरे का फायदा उठाकर लड़के बाइक से आकर गलत तरीके से छूते हैं और भद्दे कमेंट्स करते हैं। डीएवी स्कूल के प्राध्यापक ने बताया कि स्कूल के बाहर छुट्टी के समय अक्सर लड़के काले शीशे की बिना नंबर प्लेट की गाड़ियों में खड़े रहते हैं, कई बार मना करने पर भी नही सुनते, जिससे बालिकाओं को असुविधा होती है। कार्यशाला मे बालिकाओं ने कुछ सुझाव भी पेश किए जैसे चिन्हित जगह पर लगातार पुलिस पेट्रोलिंग, गलियों में स्ट्रीट लाइट, ऑटो चालक एवम ई-रिक्शा चालक का सत्यापन, ऑटो या रिक्शा स्टैंड पर एवम अन्य चिन्हित स्थानों पर गश्त आदि। इस कार्यशाला में चिन्हित स्थानों एवम कारणों के साथ समिति अपनी रिपोर्ट प्रेषित करेगी जिससे संबंधित विभाग को कार्रवाई के लिए निर्देशित किया जाएगा। कार्यक्रम में जिला प्रोबेशन कार्यालय से तबस्सुम ने हेल्पलाइन नम्बर के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में विद्यालय की बालिकायें, प्रधानाचार्य एवम शिक्षिकायें, सुपरवाईजर उपस्थित थे।

चोरों ने एक और बाइक पर किया हाथ साफ

रूद्रपुर। बाइक चोरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। फुलसुंगा क्षेत्र में वाहन चोरों ने एक और बाइक पर हाथ साफ कर लिया। ग्राम घोसियाना जिला लखीमपुर खीरी निवासी दीप सिंह पुत्र विश्वनाथ सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसने अपनी हीरो स्लैंडर बाइक संख्या यूपी 22एपी 6283 नई बस्ती फुलसुंगा में एक मकान के बाहर खड़ी की थी। करीब दो घंटे बाद जब वह वापस लौटा तो बाइक गायब थी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर बाइक की तलाश शुरू कर दी है।

सेतु आयोग के उपाध्यक्ष ने की योजनाओं की समीक्षा

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। सेतु आयोग उत्तराखण्ड सरकार के उपाध्यक्ष राजशेखर जोशी की अध्यक्षता में एपीजे अब्दुल कलाम सभागार कलेक्ट्रेट में समीक्षा बैठक आयोजित हुई, उन्होंने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक लेते हुए जनता को बेहतर सुविधाएं देने के लिए नई योजनाएं बनाने साथ ही जनपद स्तर पर आ रही योजनाओं, समस्याओं व अवसरों पर जानकारी ली। परियोजना निदेशक हिमांशु जोशी ने बताया कि जनपद में 7 ग्रोथ सेंटर बनाये गए हैं, बताया कि मूंज घास व क्विल्ट उत्पादों को बढ़ावा दिया जा रहा है, इनकी मांग ई-कॉमर्स वेबसाइटों पर बढ़ रही है, साथ ही मत्स्य पालन में भी अच्छा भविष्य है उन्होंने बताया कि जनपद में 167 हे0 में लगभग 40 हजार क्विंटल मत्स्य उत्पादन किया जा रहा है, जबकि उपभोग इससे भी अधिक है इसलिए उत्पादन लक्ष्य 500 हे. तक बढाया जा सकता है, साथ ही फिशरीज प्रोसेस युनिट लगाया जा रहा है जिससे आमदनी के साथ ही रोजगार को भी बढावा मिल सकता है । नगर आयुक्त नरेश दुर्गापाल ने बताया कि जनपद के गीले कूड़े के निस्तारण के लिए कम्प्रैस्ड बायो गैस प्लांट से बिजली उत्पादन का कार्य लिया जा रहा है इसके साथ ही सूखे कूडे के लिए प्राइवेट युनिट है। उन्होंने कहा कि कूड़े के लिए भी प्रोसैस युनिट लगायी जानी चाहिए ताकि वेस्ट टू वेल्थ की परिकल्पना को साकार किया जा सके। कृषि विभाग के अधिकारी ने बताया कि जनपद में ग्रीष्मकालीन धान की खेती के स्थान पर मक्का व गन्ने की खेती को

बढ़ावा दिया जा रहा है, इसके साथ ही बड़े किसान ड्रैगन फ्रूट की खेती में रूचि ले रहे हैं जिसके लिए सरकार योजना भी ला रही है, उन्होंने बताया कि मार्केट डेवलेपमेंट एक बडी समस्या है जिस पर योजना बनाकर कार्य करने की आवश्यकता है।उपाध्यक्ष ने सभी विभागों की जानकारी ली व विभागीय कार्ययोजनाओं के महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा भी की साथ ही जनपद के आर्थिक एवं सामाजिक विकास हेतु विशेष रूचि के साथ कार्य करने के निर्देश भी विभागीय अधिकारियों को दिए। उन्होने कहा कि इस समीक्षा बैठक का मुख्य उद्देश्य है कि जनपद में जनता के लिए क्या बड़े अवसर है और उनको सार्थक करने में आ रही चुनौतियों को समझ कर जिले की संपदा बढाने व जनपद को समग्र रूप से आगे ले जाने के लिए योजनाओं के निर्माण के लिए आंकड़े व विचार व सुझाव एकत्र करना है। उन्होंने कहा कि जनपद में क्विल्ट, मूंज घास, मत्स्य पालन, आदि के क्षेत्र में आगे बढ़ने की अपार संभावनाएं हैं, कहा कि पिछले कुछ वर्षों में मत्स्य पालन बढ़ा है जिसे आगे भी 500 हे. तक बढ़ाये जाने पर विचार किया जाएगा। इसके साथ ही जनपद में कौशल विकास, युवा रोजगार आदि क्षेत्रों में आगे बढ़ने की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन और राज्य सरकार मिलकर सभी संभावित क्षेत्रों में उन्नति के लिए नीतियां व योजनाओं का निर्माण कर धरातल पर जनता को बेहतर सुविधाएं देने के साथ ही जनपद को विकास के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए तत्पर है। बैठक में उपनिदेशक नियोजन विभाग निर्मल शाह, परियोजना निदेशक हिमांशु जोशी, नगर आयुक्त नरेश दुर्गापाल, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी नफील जमील, सीओ आर.डी. मठपाल, जिला आपदा प्रबन्धन अधिकारी उमा शंकर नेगी, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 हरेन्द्र मलिक, एआरटीओ चक्रपाणी मिश्रा, मुख्य शिक्षा अधिकारी केएस रावत, जिला युवा कल्याण अधिकारी बीएस रावत, बीडीओ राजेश कुमार यादव, असीत आनन्द, जिला प्रोवेशन अधिकारी व्योमा जैन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

व्यापारी नेता हिमांशु मिड्डा ने थामा भाजपा का दामन

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। भाजपा विधायक शिव अरोरा की कार्यशैली से प्रभावित होकर व्यापारी नेता एवं सामाजिक कार्य मे सक्रिय रहने वाले हिमांशु मिड्डा 'आशु ' भाजपा में शामिल हों गये। विधायक शिव अरोरा ने आशू मिड्डा का माला पहनाकर स्वागत किया और उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई। इस अवसर

पर विधायक ने कहा आप पार्टी हित मे लगतार कार्य करते हुए भाजपा को मजबूत करने का कार्य करें। हिमांशु मिड्डा ने कहा कि वह पूरी निष्ठा के साथ विधायक शिव अरोरा व भाजपा पार्टी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहेंगे। इस दौरान भाजपा नेता सोनू अनेजा, व्यापार मंडल महामंत्री मनोज छाबड़ा, कोषाध्यक्ष संदीप राव, किरन विर्क, मनोज मदान, राजीव कामरा, सोनू खुराना व अन्य लोग मौजूद रहे।

एसएसपी से मिला दिनेशपुर के पत्रकारों का शिष्ट मण्डल

रूद्रपुर(उद संवाददाता) दिनेशपुर प्रेस क्लब ने एसएसपी मणिकांत मिश्रा से शिष्टाचार भेंट करते हुए सभी ने पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित भी किया।इस मौके पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को दिनेशपुर से संबंधित समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बृहस्पतिवार को प्रेस क्लब अध्यक्ष दुलाल चक्रवर्ती के नेतृत्व में पत्रकारों ने रुद्रपुर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा के कार्यालय पहुंचकर उनसे मुलाकात की और पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। प्रेस क्लब ने क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी और युवा पीढ़ी नशे के आगोश में जाने को लेकर इस पर नियंत्रण की मांग की। प्रेस क्लब ने नगर में जाम की व्यवस्था पर पुलिस को अंकुश लगाने के दिशा में काम करने की बात कही। उन्होंने कहा कि ओवरलोडिंग पर अंकुश लगाया जाएगा। उन्होंने बताया अभी तक ओवरलोड के चलते लगभग 80 वाहनों को सीज कर

दिया गया है और यातायात व्यवस्था बेहतर बनाने के लिए भी टीम तैयार की गई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा ने बताया कि उनकी टीम कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास करेगी और सुनिश्चित करेगी कि उधम सिंह नगर जिले में शांति और सुरक्षा बनी रहे। उन्होंने कहा नशे के खिलाफ अभियान को सफल बनाने के लिए आम जनता का सहयोग आवश्यक है यदि कोई भी व्यक्ति नशे के तस्कर को या नशे से जुड़ी गतिविधियों के बारे में जानकारी रखता है तो वह पुलिस को तुरंत सूचित कर सकता है। मणिकांत मिश्रा ने जनता से विशेष रूप से साइबर अपराधों के प्रति सतर्क रहने का आग्रह किया है और कहा कि अगर कोई संदिग्ध ईमेल मैसेज या कॉल प्राप्त हो तो उसकी जानकारी तुरंत पुलिस को दी जाए। इसके साथ ही उन्होंने महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को लेकर भी जागरूकता फैलाने की बात कही। इस दौरान प्रेस क्लब के अध्यक्ष दुलाल चक्रवर्ती, संरक्षक सरोज मंडल, संरक्षक काजल राय, महामंत्री दिवेन्दु राय, कोषाध्यक्ष मृत्युंजय सरकार, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमित सक्सेना, उपाध्यक्ष लाल बहादुर राय, प्रकाश अधिकारी, संजीव गाइन, काली पद विश्वास, नैनी बढई, केशव कुमार, बृज किशोर मंडल, राहुल विश्वास, विपिन बहुगुणा, राजीव कुमार आदि थे।

रंगारंग कार्यक्रमों के साथ मनाया हिंदी सप्ताह

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। आरएएन स्कूल के प्रांगण में हिन्दी सप्ताह की श्रृंखला में ,कक्षा तीन के छात्र-छात्राओं द्वारा रंगारंग कार्यक्रम जिसमें विद्यालय के प्रबंधक श्री मोहित राय ,प्रबंधिका श्रीमती निधि राय ,प्रधानाचार्या श्रीमती ममता विष्ट व मुख्याध्यापिका श्रीमती मेघना गुप्ते व अभिभावको का स्वागत किया गया। इसी श्रंखला में आगे हिन्दी दिवस के महत्व को दर्शाते हुए कव्वाली प्रस्तुत की गई। सभी अभिभावको ने खूब के लिए मनोरंजक खेल भी रखे गए थे।इसके अतिरिक्त छात्र-छात्राओ द्वारा योग और पेचक सिल्ट की रोमांचक प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम के अंत में

प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम में जीवन के बहुमूल्य रिश्तों को दर्शाया गया था। कार्यक्रम में सर्वप्रथम माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित किया गया । उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सर्वप्रथम गणेश नृत्य वंदना ,छात्रों द्वारा मनमोहक अंदाज में प्रस्तुत की गई।तत्पश्चात प्रबंधिका निधि राय द्वारा सभी अतिथियों तालियाँ बजाई।कार्यक्रम के मध्य में श्रीमती मेघना गुप्ते द्वारा विद्यालय में पूरे वर्ष चलने वाली गतिविधियों की जानकारी दी गई ।साथ ही अभिभावकों 'परिवार और रिश्तो पर मोबाइल का प्रभाव' से संबंधित एक अद्भुत नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गई । सभी कार्यक्रमों की अभिभावकों द्वारा खूब प्रशंसा की।

आक्सफोर्ड के योगेन्द्र यादव ने बॉक्सिंग में जीता गोल्ड मेडल

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। ऑक्सफोर्ड एकेडमी के कक्षा 9 के छात्र योगेन्द्र यादव ने सीबीएसई नोर्थ जोन बाक्सिंग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त कर पूरे विद्यालय परिवार को गौरान्वित किया। यह प्रतियोगिता सितम्बर मो के द्वितीय सप्ताह में बलूनी पब्लिक स्कूल देहरादून में आयोजित की गई। जिसमें विभिन्न विद्यालयों के छात्रों ने सहभागिता की। योगेन्द्र ने शानदार प्रदर्शन करते हुये प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल हासिल किया। योगेन्द्र ने अपनी इस उपलब्धि का

श्रेय अपने कोच चन्द्र कुमार जोशी, अपने माता-पिता तथा विद्यालय के शिक्षक, शिक्षिकाओं को दिया। विद्यालय के प्रबन्ध सदस्यों के सदस्य रोहताश बत्रा, वैभव बत्रा, अमित जिन्दल, सुरेन्द्र मिड्ढा व श्रीमती प्रीती पपनेजा एवं प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों ने योगेन्द्र यादव को बधाई देते हुये उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

स्टार्ट इंस्टीट्यूट रूद्रपुर के एथलीटों का वर्ल्ड गेम में चयन

रूद्रपुर (उद संवाददाता)।जन कल्याण एवं बाल विकास संस्थान द्वारा संचालित स्टार्ट इंस्टीट्यूट रुद्रपुर के एथलीटों का स्पेशल ओर्लंपिक भारत वर्ल्ड गेम में चयन हुआ है। स्पेशल ओर्लंपिक भारत इंटेलेक्चुअल डिले डेवलपमेंट के दिव्यांग बच्चों के लिए खेलों का आयोजन प्रांतीय लेवल से अंतर्राष्ट्रीय लेवल तक करता है। इस

वर्ष का अंतरराष्ट्रीय खेल भारत में ही होना है जिसके लिए स्पेशल ओलंपिक भारत दो या तीन प्रिपेरटॉरी कैंप आयोजित करता हैं जिसमें एथलीटों को अंतरराष्ट्रीय खेलों के लिए तैयार किया जाता है। प्रथम प्रिपेरटॉरी कैंप बोके का आयोजन 24 सितंबर से 28 सितंबर तक ग्वालियर में किया गया है जिसमें स्टार्ट इंस्टिट्यूट के एथलीट्स कीर्ति वाधवा , मेघा अरोड़ा व देवांश अग्रवाल व कोच श्रीमती पुष्पा त्रिपाठी इन सभी एथलीटों व कोच को भाग लेना है । संस्थान व संस्थान की डायरेक्टर डॉक्टर माधवी अवस्थी जी ने सभी एथलीटों व कोच को बधाई दी तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

कीर्तन की है रात बाबा आज ठाणे आयो है...

भजन सम्राट नंदू जी के भजनों से श्याम भक्ति में डूबे श्रद्धालु

हल्द्वानी (उद संवाददाता)।पर्वतीय उत्थान मंच में विगत वर्षों की भांति श्री श्याम मित्र मंडली की टीम के द्वारा विशाल श्री श्याम संकीर्तन जागरण हुआ ।जिसमें विख्यात भजन सम्राट नंदकिशोर नंदू जी ने श्री श्याम बाबा के भजनों का गुणगान करते हुए 'कीर्तन की है रात बाबा आज ठाणे आयो है,भर दे रे श्याम झोली जैसे भजनों को सुनकर पूरा मैदान बाबा श्याम की मस्ती में झूमने लगा। उनके साथ मुंबई के प्रख्यात गायक मनीष भट्ट ने 'आजा तेरा दास पुकारे 'और 'गुड़ खाले कान्हा आँखों मे सुरमा थारे' और उत्तराखंड के सुप्रसिद्ध भजन गायक विवेक शर्मा द्वारा अपनी प्रस्तुति 'नाथ थारे सरन आयो रे दी। संकीर्तन महोत्सव में मुख्य रूप से श्री श्याम जी का भव्य दरबार (जींद

हरियाणा वालों का) बाबा की भव्य ज्योति और फूलों की सजावट, श्री श्याम रसोई भंडारा, छपन भोग, का विशेष आयोजन किया गया। इस आयोजन में श्री श्याम प्रेमी तराई-भाबर से भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। श्री श्याम भक्त मंडली , महिला मंडली हल्द्वानी सहित आसपास के समस्त श्याम प्रेमियों ने उपस्थित होकर बाबा जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। बाबा का गुणगान सुनने के लिए सायं 7 बजे से उत्थान मंच में भारी भीड़ आयी, जो रात्रि 1 बजे तक बाबा के भजनों में झूमती गाती, नाचती रही। श्री श्याम बाबा जी के संकीर्तन को सफल बनाने में शशि भूषण अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, सुनील मित्तल, विपिन गुप्ता, अंकित पाल, गौरव अग्रवाल,हनी अग्रवाल, निशु अग्रवाल, नवीन भटेजा, सौरभ अग्रवाल, रवि पलड़िया, हर्ष वर्द्धन पांडे, सोनू बेलवाल, अनिल पाल, हर्षित पाल, राहुल भट्ट, संजीव कश्यप वैभव गुप्ता, प्रदीप गोयल, हेमंत अग्रवाल, महिला मंडली से मधु अग्रवाल, रश्मि गर्ग, द्रोपदी गोपाल, सीमा सिंघल, अलका अग्रवाल, मीतू मित्तल, सुषमा गुप्ता सहित श्री श्याम भक्त मंडली के सेवक देर रात्रि तक सेवा में लगे रहे।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

जम्मू कश्मीर के मतदाता

जम्मू-कश्मीर में इस बार जब लोकसभा चुनावों के दौरान मतदान में वहां के लोगों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया था, तभी इस बात के संकेत मिल गए थे कि राज्य में राजनीति की तस्वीर तेजी से बदल रही है। अब विधानसभा चुनाव के पहले चरण में चौबीस सीटों के लिए हुए मतदान में जिस तरह वहां 61.13 फीसद वोटिंग का आंकड़ा आया, उससे साफ है कि जम्मू-कश्मीर के लोगों का भरोसा अब देश के लोकतंत्र में मजबूत हो रहा है और उसे ज्यादा ताकत देने के लिए वे लोकतांत्रिक प्रक्रिया में उत्साह से हिस्सा ले रहे हैं। राज्य में पिछले कुछ समय से लगातार आतंकवादी गतिविधियों के बीच जिस तरह की अप्रिय घटनाएं सामने आती रहीं, उससे इस बात की आशंका जरूर बनी हुई थी कि क्या इसका असर आम लोगों के चुनावों में हिस्सा लेने पर पड़ेगा और मतदान का फीसद कम रह सकता है,मगर इस डर को धता बताते हुए राज्य के लोगों ने अपना यह रुख स्पष्ट कर दिया कि वे अब वहां लोकतंत्र और राजनीतिक प्रक्रिया को मजबूत करने को लेकर गंभीर हैं। आए दिन होने वाले आतंकी हमलों के जरिए आतंकवादी संगठन यह संदेश देने की कोशिश करते रहते हैं कि राज्य में अस्थिरता और हिंसा के बीच लोगों को चुनाव प्रक्रिया से दूर रहना चाहिए। अतीत में इस तरह की कोशिशों को कुछ कामयाबी मिली भी जब चुनाव में कभी मतदान का फीसद बेहद कम रहा था। मगर मौजूदा समय में राज्य में लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए केंद्र सरकार की ओर से जो भी राजनीतिक प्रक्रिया चलाई जा रही है, उसमें वहां की जनता की सकारात्मक प्रतिक्रिया उम्मीद जगाती है। दरअसल, राज्य में अनुच्छेद 370 को हटाए जाने के बाद यह आशंका जताई जा रही थी कि वहां की जनता का रुख चुनावों में मतदान के समय शायद सकारात्मक न रहे। सही है कि राज्य में अब भी आबादी के कुछ हिस्सों में इस मसले पर अलग-अलग विचार और असंतोष का भाव रहा है। बल्कि यह चुनावी मुद्दा भी बना और यह माना जा सकता है कि इस सवाल ने भी लोगों को चुनाव में हिस्सा लेने और अपनी राय जाहिर करने के लिए प्रेरक शक्ति का काम किया होगा। यह बेवजह नहीं है कि न केवल मतदान केंद्रों पर लोग उम्मीद से ज्यादा संख्या में उमड़ कर आए, बल्कि शांतिपूर्ण तरीके से वोट डाला। एक समय था जब चुनाव की घोषणा के बाद आतंकवादी संगठनों की ओर से मतदान का बहिष्कार करने के लिए तरह-तरह की धमकियां दी जाती थीं। इस बार भी एक ओर राज्य में चुनाव आयोजित कराने की तैयारी चल रही थी और दूसरी ओर लगातार आतंकवादी संगठनों की ओर से कहीं सीमा पर घुसपैठ का प्रयास किया जा रहा था, कहीं लक्षित हमलों में हत्याएं की जा रही थीं, तो कभी सुरक्षा बलों के शिविरों पर हमले किए जा रहे थे। ऐसा करके आम जनता के बीच आखिर क्या संदेश देने की कोशिश की गई? मगर इस तरह की आतंकी हिंसा का जवाब जम्मू-कश्मीर के लोगों ने शांतिपूर्ण और उत्साहजनक मतदान करके दिया। इस लिहाज से देखें तो पहले लोकसभा, और फिर अब विधानसभा चुनाव के लिए हुए मतदान में लंबी कतारें यह बताने के लिए काफी रहीं कि लोग अब वहां लंबे दौर के अशांत माहौल और आतंकवादी गतिविधियों से छुटकारा चाहते हैं और यह अंतिम तौर पर वहां लोकतंत्र की बहाली के जरिए ही संभव है। चुनाव में मतदान में बढ़-चढ़ कर हिस्सेदारी वहां के लोगों के भीतर भारतीय लोकतंत्र में बढ़ते भरोसे का सूचक है।

2029 में एक देश, एक चुनाव!

एक देश,एक चुनाव ,यानी देश में लोकसभा और विधानसभा चुनावों के साथ निकाय व पंचायत चुनाव भी एक साथ कराने की स्वीकृति कैबिनेट ने दे दी है। नरेंद्र मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के सौ दिन पूरे होने पर गृहमंत्री अमित शाह ने आत्मविश्वास के साथ कहा है कि 2029 के पहले एक साथ चुनाव का प्रबंध कर दिया जाएगा। साफ है, सरकार अपने इस महत्वाकांक्षी वादे को क्रियान्वित करने के प्रति संकल्पबद्ध है। इसी क्रम में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली समिति की रिपोर्ट की अनुशंसाओं को भी कैबिनेट ने मंजूर कर लिया। साफ है, केंद्र सरकार ने विपक्षी दलों को स्पष्ट संकेत दे दिया है कि सरकार अपने अजेंडे पर आगे बढ़ती रहेगी। उम्मीद है कि शीतकालीन सत्र में एक देश एक चुनाव कराने के नजरिए से शीतकालीन सत्र में इस विधेयक और इस प्रक्रिया को पूरी करने वाले संशोधन विधेयकों को पारित कराने की शुरूआत संसद में हो जाएगी। हालांकि कांग्रेस समेत करीब 15 राजनीतिक दल इसका विरोध कर रहे हैं, जबकि भाजपा समेत 32 राजनीतिक दल इसके समर्थन में हैं। एक साथ चुनाव कराए जाते हैं तो इस समय जिन राज्य सरकारों का कार्यकाल बचा होगा,वह लोकसभा चुनाव तक ही पूरा मान लिया जाएगा। वैसे भी आजादी के बाद 1952, 1957, 1962 और 1967 में लोकसभा और विधानसभा के चुनाव साथ साथ होते रहे हैं,लेकिन 1968 और 1969 में समय के पहले ही कुछ राज्य सरकारें भंग कर दिए जाने से यह परंपरा टूट गई। अब इस व्यवस्था को लागू करने के लिए संविधान में करीब 18 संशोधन करने होंगे।इनमें से कुछ बदलावों के लिए राज्यों की भी अनुमति जरुरी होगी।यदि स्थानीय निकाय और पंचायत चुनाव भी साथ साथ होते हैं तो फिर मतदाता सूची तैयार निर्वाचन आयोग कराएगा।इस हेतु अनुच्छेद 325 में परिवर्तन करना होगा।साथ ही अनुच्छेद 324 ए में संशोधन करते हुए निगमों और पंचायतों के चुनाव भी लोकसभा चुनाव के साथ करा लिए जाएंगे। संविधान के अनुच्छेद 368 ए के तहत इस संशोधन विधेयक को आधे राज्यों से भी पास करना जरूरी होगा।इसी अनुरूप केंद्र शासित प्रदेशों के लिए भी अलग से संविधान संशोधन की आवश्यकता पड़ेगी। इस रिपोर्ट से पहले संसदीय समिति भी देश में एक साथ चुनाव कराने की वकालात कर चुकी थी। समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि यदि लोकसभा, विधानसभा, नगरीय निकायों और पंचायतों के चुनाव एक साथ होते हैं तो लंबी चुनाव प्रक्रिया के चलते मतदाता में जो उदासीनता छा जाती है, वह दूर होगी। एक साथ चुनाव में वोट डालने के लिए मतदाता को एक ही बार घर से निकलकर मतदान केंद्र तक पहुंचना होगा, अतएव मतदान का प्रतिशत बढ़ जाएगा। यदि यह स्थिति बनती है तो चुनाव में सरकारी धन कम खर्च होगा। 2019 के आम चुनाव में करीब 60,000 करोड़ खर्च हुए थे और 2024 के चुनाव में लगभग एक लाख करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। एक साथ चुनाव में राजनीतिक दल और प्रत्याशी को भी कम धन खर्च करना होगा। दरअसल अलग-अलग चुनाव होने पर हारने वाले कई प्रत्याशी एक बार फिर किस्मत आजमाने के मूड में आ जाते हैं, वहीं विधायकों को भी लोकसभा और सांसदों को विधानसभा का चुनाव लड़ा दिया जाता है। ऐसी स्थिति में जो सीट खाली होती है, उसे फिर से छह माह के भीतर भरने की संवैधानिक बाध्यता के चलते चुनाव कराना पड़ता है। नतीजतन जनता के साथ-साथ प्रत्याशी को भी चुनाव प्रक्रिया से जुड़ी उदासीनता झेलनी पड़ती है। इस कारण सरकारी मशीनरी की जहां कार्य संस्कृति प्रभावित होती है, वहीं मानव संसाधन का भी ह्रास होता है। चूंकि संविधान के मुताबिक केंद्र और राज्य सरकारें अलग-अलग इकाइयां हैं। इस परिप्रेक्ष्य में संविधान में समानांतर किंतु भिन्न-भिन्न अनुच्छेद हैं। इनमें स्पष्ट उल्लेख है कि इनके चुनाव प्रत्येक पांच वर्ष के भीतर होने चाहिए। लोकसभा या विधानसभा जिस दिन से गठित होती है, उसी दिन से पांच साल के कार्यकाल की गिनती शुरू हो जाती है। इस लिहाज से संविधान विशेषज्ञों का मानना है कि एक साथ चुनाव के लिए कम से कम 18 अनुच्छेदों में संशोधन किया जाना जरूरी होगा।विधि आयोग, निर्वाचन आयोग, नीति आयोग और संविधान समीक्षा आयोग तक इस मुद्दे के पक्ष में अपनी राय दे चुके हैं। ये सभी संवैधानिक संस्थाएं हैं। यदि विपक्षी दल सहमत हो जाते हैं तो दो तिहाई बहुमत से होने वाले ये संशोधन कठिन कार्य नहीं हैं। 2024 में मोदी सरकार की बहाली हो गई है, इससे एक साथ चुनाव की उम्मीद बढ़ गई है। इस दौरान ईवीएम समेत अन्य चुनावी उपकरणों की जरूरत पूरी कर ली जाएगी।अनेक असमानताओं, विसंगतियों और विरोधाभासों के बावजूद भारत एक सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के सूत्र से बंधा है। निर्वाचन प्रक्रिया राष्ट्र को एक ऐसी संवैधानिक व्यवस्था देती है, जिससे भिन्न स्वभाव वाली राजनीतिक शक्तियों को केंद्रीय व प्रांतीय सत्ताओं में भागीदारी का अवसर मिलता है।नतीजतन लोकतांत्रिक प्रक्रिया गतिशील रहती है, जो देश की अखंडता व संप्रभुता के प्रति जवाबदेह है। देश में मानव संसाधन सबसे बड़ी पूंजी है। गोया, यदि बार-बार चुनाव की स्थितियां बनती हैं तो मनुष्य का ध्यान बंटता है और समय व पूंजी का क्षरण होता है। इस दौरान आदर्श आचार संहिता लागू हो जाने के कारण प्रशासनिक शिथिलता दो-ढाई महीने तक बनी रहती है, फलतः विकास कार्य और जन-कल्याणकारी योजनाएं प्रभावित होती हैं। एक साथ चुनाव के चलते सरकारी कर्मचारियों और सुरक्षा बलों को बार बार चुनाव ड्यूटी का मानसिक तनाव नहीं झेलना पड़ेगा। एक साथ चुनाव के पक्ष में यह तर्क दिया जाता है कि देश प्रत्येक छह माह बाद चुनावी मूड में आ जाता है, लिहाजा सरकारों को नीतिगत फैसले लेने में तो अड़चनें आती ही हैं, दूसरे नीतियों को कानूनी रूप देने में अतिरिक्त विलंब भी होता है। यह तर्क अपनी जगह जायज है। वैसे भी राजनीतिक दलों की महत्ता तभी है जब वे नीतिगत फैसलों को अधिकतम लोकतांत्रिक बनाने के लिए अपने सुझाव दें व उन्हें विधेयक के प्रारूप का हिस्सा बनाने के लिए नैतिक दबाव बनाएं। ऐसा नहीं है कि एक साथ चुनाव का विचार कोई नया विचार है। 1952 से लेकर 1967 तक चार बार लोकसभा व विधानसभा चुनाव पूरे देश में एक साथ ही हुए हैं। इंदिरा गांधी का केंद्रीय सत्ता पर वर्चस्व कायम होने के बाद राजनीतिक विद्वेश व बेजा हस्तक्षेप के चलते इस व्यवस्था में बदलाव आना शुरू हो गया। इंदिरा गांधी को विपक्ष की जो सरकार पसंद नहीं आती थी, उसे वे कोई न कोई बहाना ढूंढकर अनुच्छेद-356 के तहत राष्ट्रपति से बर्खास्त करा देती थीं। नतीजतन मध्यावधि चुनावों की परिपाटी पड़ती चली गई। इससे राज्यों में अलग-अलग समय पर चुनाव कराने की बाध्यता निर्मित हो गई। अयोध्या में विवादित ढांचा ध्वस्त होने के बाद पीवी नरसिंह राव ने भी भाजपा शासित कई राज्य सरकारों को गिरा दिया था। वस्तुतः ऐसा अवसर आ गया कि देश में कहीं न कहीं चुनाव की डुगडुगी बजती रहती है। देश का लगभग 97 करोड़ मतदाता किसी न किसी चुनाव की उलझन में जकड़ा रहता है। चूंकि संविधान में लोकसभा और विधानसभा चुनाव कराने का उल्लेख तो है, लेकिन दोनों चुनाव एक साथ कराने का हवाला नहीं है। संविधान में इन चुनावों का निश्चित जीवनकाल भी नहीं है। वैसे यह कार्यकाल पांच वर्ष के लिए होता है, लेकिन बीच में सरकार के अल्पमत में आ जाने के कारण या किसी अन्य कारण के चलते सरकार गिर या गिराई जा सकती है। केंद्रीय विधि आयोग ने 2018 में केंद्र सरकार को प्रस्ताव दिया था कि पांच साल के भीतर यदि सरकार के भंग होने की स्थिति बने तो 'रचनात्मक अविश्वास' मत हासिल किया जाए। मसलन, किसी सरकार को लोकसभा या विधानसभा के सदस्य अविश्वास मत से गिरा सकते हैं, तो इसके विकल्प में जिस दल या गठबंधन पर विश्वास हो या जिसे विश्वास मत हासिल हो जाए, उसे बतौर नई सरकार की शपथ दिला दी जाए।' कुछ विपक्षी दल एक साथ चुनाव के पक्ष में शायद इसलिए नहीं हैं, क्योंकि उन्हें आशंका है कि ऐसा होने पर जिस दल ने अपने पक्ष में माहौल बना लिया तो केंद्र व ज्यादातर राज्य सरकारें उसी दल की होंगी ? जैसे कि सत्रहवीं (2019) लोकसभा के चुनाव में राष्ट्रवाद की हवा के चलते भाजपा नेतृत्व वाले राजग को बड़ा जनादेश मिला था। ऐसे में यदि विधानसभाओं के भी चुनाव हुए होते तो कांग्रेस समेत क्षेत्रीय दलों का भी सूपड़ा साफ हो गया होता ? हालांकि ऐसा हुआ नहीं था। बार-बार चुनाव की स्थितियां निर्मित होने के कारण सत्ताधारी राजनीतिक दल को यह भय बना रहता है कि उसका कोई नीतिगत फैसला ऐसा न हो जाए कि दल के समर्थक मतदाता नाराज हो जाएं। लिहाजा सरकारों को लोक-लुभावन फैसले लेने पड़ते हैं। वर्तमान में अमेरिका सहित अनेक ऐसे देश हैं, जहां एक साथ चुनाव बिना किसी बाधा के संपन्न होते हैं। गोया, भारत में भी यदि एक साथ चुनाव की प्रक्रिया 2029 से होती है तो केंद्र व राज्य सरकारें बिना किसी दबाव के देश व लोकहित में फैसले ले सकेंगी। सरकारों को पूरे पांच साल विकास व सुशासन को सुचारू रूप से लागू करने का अवसर मिलेगा।

-प्रमोद भार्गव,लेखक वरिष्ठ साहित्यकार और वरिष्ठ पत्रकार हैं।

विधायक सुमित ने लगाया विकास कार्यों में उपेक्षा करने का आरोप

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। हल्द्वानी विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों को लेकर जिला प्रशासन द्वारा लगातार अनदेखी और भेदभाव किया जा रहा है। विधायक सुमित हृदयेश ने जिला प्रशासन पर यह आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने खनन न्यास निधि से कई महत्वपूर्ण विकास कार्यों के प्रस्ताव डीएम कार्यालय को भेजे थे, लेकिन अब तक उन पर कोई स्वीकृति नहीं मिली है। प्रशासन का यह रवैया हल्द्वानी के विकास में जानबूझकर अवरोध पैदा करने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि हल्द्वानी में तोड़-फोड़ तो लगातार की जा रही है, लेकिन हमारी जो बड़ी और महत्वपूर्ण योजनाएं थीं, उन्हें रोक दिया गया है। ऐसा प्रतीत होता है कि हल्द्वानी के विकास को जानबूझकर पीछे धकेला जा रहा है। सुमित ने कहा वह इस मुद्दे को सदन में मजबूती से उठाएंगे और जनता के अधिकारों के लिए संघर्ष करते रहेंगे। हल्द्वानी के विकास को इस तरह अवरुद्ध करना कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

रोडवेज बस चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

काशीपुर(उद संवाददाता)। यात्रियों के बस से नीचे उतरते वक्त रोडवेज बस चालक ने लापरवाही से बस चलाकर एक व्यक्ति को बुरी तरह जख्मी कर दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रोडवेज बस चालक के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। घटना के बारे में पुलिस को तहरीर देकर वार्ड नंबर 13 मोहल्ला छीपियान जसपुर निवासी अनिल कुमार पुत्र नन्हे सिंह ने बताया कि बीते 8 सितंबर को काशीपुर के कटोराताल चौकी क्षेत्र स्थित चामुंडा चौराहे के समीप रोडवेज बस संख्या यूपी 78 एचटी/8565 के चालक दादरी जनपद हापुड़ उत्तर प्रदेश निवासी भूषण त्यागी पुत्र ईश्वर चंद्र ने बस से उतरते वक्त अचानक तेजी और लापरवाही से बस चला दिया जिससे शिकायतकर्ता का भाई दरवाजे में अटक कर काफी दूर तक घिसाटता चला गया। दुर्घटना में उसे गंभीर चोटें आईं। इस मामले में पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी रोडवेज बस चालक के खिलाफ संबंधी धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

शिविर में 120 बच्चों की हुई हीमोग्लोबिन जांच

गदरपुर। राजकीय इंटर कॉलेज जयनगर मे मुख्य चिकित्सा मनोज शर्मा एवं प्रभारी चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गदरपुर डॉ संजीव सरना के निर्देशन में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम एवं राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम गदरपुर की टीम द्वारा एनीमिया मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत एक टी 3 कैंप का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में 5 वर्ष से 18 वर्ष तक के बच्चों की हीमोग्लोबिन की जांच टी 3 अप्रोच अर्थात टेस्ट ट्रीट एंड टॉक के साथ की गई । इस दौरान डॉ विकास सचान ने किशोर किशोरियों में एनीमिया के कारणो एवं उससे शरीर पर होने वाले लक्षणों एवं उससे बचने उपायों प र चर्चा की । राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की महिला चिकित्सक डॉ रेखा रानी ने किशोरियों को मासिक धर्म स्वच्छता की जानकारियां दी । राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम की काउंसलर श्रीमती राधा मिगलानी ने वीकली आयरन फोलिक एसिड प्रोग्राम के बारे में जागरूक किया और समस्त बच्चों से आयरन फोलिक एसिड की टेबलेट को नियमित रूप से प्रत्येक सप्ताह खाने को कहा। टीबी मुक्त भारत अभियान के नीरज बघेल ने बच्चों को टीवी जागरूकता कार्यक्रम के बारे में जागरूक किया एवं उनकी टीवी हेतु स्क्रीनिंग भी की गई। कार्यक्रम में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के फार्मासिस्ट के एन जोशी एवं स्टाफ नर्स सोनिया वैद्य द्वारा बच्चों के हीमोग्लोबिन की जांच की गई एवं आवश्यकता अनुसार दावों का वितरण किया गया । टीम द्वारा अत्यधिक एनीमिक पाए गए बच्चों को उच्च चिकित्सा इकाइयों हेतु संदर्भित किया गया। कार्यक्रम में राजकीय इंटर कॉलेज जयनगर प्रभारी प्रधानाचार्य बी एन गोस्वामी, कुमुद पाठक,दिलीप वैश्य एवं समस्त स्टाफ द्वारा सहयोग किया। कार्यक्रम के अंतर्गत 120 बच्चों के हीमोग्लोबिन की जांच की गई।

केदारनाथ धाम की पैदल यात्रा वन वे होगी

नए रास्ते से घोड़ा-खच्चरों का संचालन और पुराने रास्ते से कराई जा सकती है पैदल आवाजाही

रूद्रप्रयाग। वर्ष 2025 से केदारनाथ पैदल यात्रा वन-वे हो जाएगी। इसके लिए केदारनाथ के पुराने पैदल मार्ग को रामबाड़ा से गरुड़चट्टी तक पुनर्जीवित करने का काम शुरू हो गया है। 5.35 किमी लंबे और 1.8 मीटर लंबे मार्ग के बनने से पैदल यात्रा सुलभ और सरल हो जाएगी। साथ ही गरुड़चट्टी फिर से गुलजार हो जाएगा। इस रास्ते के बनने से केदारनाथ धाम पर आसान पहुंच और वर्तमान मार्ग पर बढ़ते मानवीय दबाव को कम करने में भी मदद मिलेगी। जून 2013 की आपदा में रामबाड़ा से केदारनाथ तक लगभग 7 किमी रास्ता पूरी तरह से ध्वस्त हो गया था। तब, केदारनाथ तक पहुंच के लिए नेहरू पर्वतारोहण संस्थान ने रामबाड़ा से मंदाकिनी नदी के दायीं तरफ से केदारनाथ तक 9 किमी नया रास्ता बनाया। बीते दस वर्ष से इसी रास्ते से पैदल यात्रा का संचालन हो रहा है। प्रतिवर्ष बढ़ रही यात्रियों की संख्या से पैदल मार्ग पर भी दबाव बढ़ रहा है। बीते 31 जुलाई को आई आपदा से इस नए मार्ग को व्यापक क्षति भी पहुंची है। हालांकि इन दिनों मार्ग का सुधारीकरण किया जा रहा, लेकिन क्षेत्र में बढ़ते भूस्खलन से यहां लगातार खतरा बना हुआ है। ऐसे में पुराने मार्ग को पुनर्जीवित किया जा रहा है। सर्वेक्षण के आधार पर रास्ता निर्माण के लिए बीते दो सप्ताह से यहां रामबाड़ा से गरुड़चट्टी पर लोक निर्माण विभाग की टीम कटान कर रही है। मार्ग को सरल बनाया जा रहा है, जिससे यात्रियों की गरुड़चट्टी तक पहुंच आसान हो। इस रास्ते के पूरा बनते ही केदारनाथ तक पहुंच हो जाएगी, क्योंकि गरुड़चट्टी केदारनाथ तक 3.5 किमी रास्ता पूर्व में बन चुका है। साथ ही इस रास्ते को मंदिर से जोड़ने के लिए मंदाकिनी नदी पर पुल भी बनकर तैयार है। पुराने रास्ते के पुनर्जीवित होने से केदारनाथ पैदल यात्रा को वन-वे किया जाएगा। जिसके तहत नए रास्ते से यात्री धाम भेजे जाएंगे और दर्शन कर पुराने रास्ते से वापस लौटेंगे। बताया जा रहा है कि नए रास्ते से घोड़ा-खच्चरों का संचालन और पुराने रास्ते से पैदल आवाजाही भी कराई जा सकती है। ऐसे में गरुड़चट्टी में आपदा के बाद से पसरा सन्नाटा भी खत्म हो जाएगा। वर्ष 2015 से पुराने रास्ते को पुनर्जीवित करने की कार्रवाई शुरू हो गई थी। तीन चरणों में भूमि सर्वेक्षण के बाद अन्य औपचारिकताएं पूरी की गईं। इस वर्ष के शुरू में भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु मंत्रालय से पुराने रास्ते को पुनर्जीवित करने के लिए 0.983 हेक्टेयर वन भूमि हस्तांतरण की अनुमति दी गई। इसके बाद मार्च-अप्रैल में वन संपदा क्षतिपूर्ति की राशि जमा की गई और रास्ता पुनर्जीवित कार्य के लिए निविदा आमंत्रित की गई। अगस्त के तीसरे सप्ताह से लोनिवि ने रामबाड़ा से गरुड़चट्टी तक पुराने रास्ते को पुनर्जीवित करने का काम शुरू किया।

पर्यावरण मित्रों को दिया स्वच्छता का प्रशिक्षण

गदरपुर(उद संवाददाता)। स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत नगरपालिका कार्यालय में पर्यावरण मित्रों को स्वच्छता संबंधित प्रशिक्षण दिया गया। बृहस्पतिवार को नगरपालिका कार्यालय में ब्रांड एंबेसडर सुबोध कुमार शर्मा और ईओ संजीव महरोत्रा की मौजूदगी में स्वच्छता संबंधित प्रशिक्षण दिया गया।दक्ष एसोसिएट की ओर से पहुंचे प्रशिक्षक अंकुर शर्मा ने पर्यावरण मित्रों को सफाई कार्य के दौरान जरूरी सुरक्षात्मक उपायों के बारे में जानकारी दी। ईओ संजीव मेहरोत्रा ने कहा पर्यावरण मित्रों को सफाई से पहले स्वास्थ्य का भी ख्याल रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा पालिका प्रशासन सफाई कर्मियों और ठेके पर कार्यरत पर्यावरण मित्रों की समस्याओं का प्राथमिकता से निराकरण कराने के लिए तत्पर है। ब्रांड एंबेसडर सुबोध कुमार शर्मा ने कहा स्वच्छता के प्रति जागरूक होने की प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने नगरवासियों से स्वच्छता ही सेवा अभियान को सफल बनाने की अपील की। इस दौरान जयपाल शर्मा, मुकेश भंडारी, विजेंद्र कुमार, मुकेश कुमार, सुनील कुमार, उमेश कुमार, उर्मिला देवी, रति देवी, माया देवी आदि मौजूद थे।

एनएच चौड़ीकरण के नाम पर हो रहा घटिया निर्माण कार्य

केंद्रीय सड़क एवम् परिवहन राज्य मंत्री ने भी किया था निरीक्षण

बागेश्वर(उद संवाददाता)। अल्मोड़ा से बागेश्वर तक राष्ट्रीय राजमार्ग में कराए जा रहे सड़क चौड़ीकरण में निर्माण कार्य कर रही कंपनी पर घटिया निर्माण कार्य करने के आरोप लगे हैं। पूर्व में भी घटिया निर्माण कार्य की शिकायत के बाद निर्माण करा रही कंपनी को किसी भी प्रकार का कोई भय नही दिख रहा है, पूर्व में भी सोशल मीडिया में वीडियो जारी कर निर्माण कार्य के घटिया होने की चर्चाएं चली थी, वही नेशनल हाईवे विभाग के अधिकारियों जिलाप्रशान सहित केंद्रीय सड़क परिवहन राज्य मंत्री अजय टम्टा के भी संज्ञान में आया था, परंतु अब तक कार्यदाई संस्था और निर्माण कार्य कर रही कंपनी द्वारा निर्माण कार्य में गुणवत्ता नही बनाई है, वही लगातार शिकायतो के बाद पुन: जिला पंचायत सदस्य चंदन रावत ने निर्माण कार्य में घटिया निर्माण सामग्री के प्रयोग पर सवालिया निशान उठाते हुए सोशल मीडिया में वीडियो जारी किया था, जिसमें सुरक्षा दीवारों के निर्माण में मिट्टी मिश्रित गारे का प्रयोग किया जा रहा था, उन्होंने घटिया निर्माण सामग्री की उच्चस्तरीय मांग की है, वही कांग्रेस जिला महामंत्री और बागेश्वर नगर व्यापार मंडल अध्यक्ष कवि जोशी ने पूर्व में सड़क निर्माण कर रही कंपनी द्वारा घटिया निर्माण कार्य करने, और मामले में दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाई थी। कांग्रेस महामंत्री जोशी ने पूर्व में आंदोलन के बाद गुणवत्ता पूर्ण निर्माण कार्य करने और किए जा रहे घटिया निर्माण कार्य की उच्च स्तरीय जॉच कराने को लेकर आंदोलन किया था, उन्होने जॉच रिपोर्ट में गुणवत्तापूर्ण निर्माण कराने के आश्वासन के बाद भी निर्माण कार्य कर रही कम्पनी पर कोई असर नहीं पड़ने और केंद्रीय सड़क परिवहन राज्य मंत्री अजय टम्टा द्वारा भी निरीक्षण के बाद स्थिति में सुधार नही आने पर इसे उपरी स्तर से मिलीभगत होने की आशंका जताते हुए केंद्रीय मंत्री द्वारा कोई कारवाई नही करने पर इसे बड़ा भ्रष्टाचार बताया, और जल्द सड़क निर्माण कर रही कंपनी की उच्चस्तरीय जांच नही होने पर पुन: आंदोलन करने की चेतावनी दी है।

म्यर स्वैण-म्यर लक्ष्य कार्यक्रम का शुभारंभ

बागेश्वर। जिलाधिकारी आशीष भटगांई ने गुरूवार को बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के तहत जिले में मेरा सपना-मेरा लक्ष्य (म्यर स्वैण-म्यर लक्ष्य) कार्यक्रम की अभिनव पहल का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के तहत ग्रामीण अंचलों एवं दूर दराज की बालिकाओं में छिपी प्रतिभाओं को निखारा जाएगा। जिलाधिकारी ने बालिकाओं के साथ संवाद किया तथा उनके सपनों और लक्ष्यों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अंचलों एवं दूर दराज की बालिकाओं के सपने और लक्ष्यों की जिज्ञासा को जानने के साथ ही उन्हें सरकारी तंत्र के अनेक विभागों को जानने और समझने के लिए जिले में इस अभिनव पहल शुरुआत की गयी है। इससे बालिकाओं के सपने और लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरणा मिलेगी। जिलाधिकारी ने कहा कि महीने में दो से तीन बार बालिकाओं को जिले के सभी विभागों का भ्रमण कराया जाएगा। ताकि आने वाले समय में बालिकाओं को इसका लाभ मिल सके। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व जिलाधिकारी टिहरी, पौड़ी और उधमसिंह नगर में इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करा चुके है। जिससे बालिकाओं को इसका लाभ मिला है।

रम्पुरा में आज रात रामलीला का उदघाटन करेंगे ठुकराल

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। श्री श्री शिव मंदिर चौरासी घंटा कमेटी द्वारा रम्पुरा में आयोजित होने वाली रामलीला का उदघाटन आज शाम पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल करेंगे।

जानकारी देते हुए रालीला कमेटी के अध्यक्ष लालमन कोली ने बताया कि आज शाम रामलीला के उदघाटन कार्यक्रम में पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहेंगे। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष दिवार पाण्डेय करेंगे। अति विशिष्ठ अतिथि के रूप में संजय ठुकराल और विशिष्ठ अतिथि के रूप में वरिष्ठ समाजसेवी जगदीश सुखीजा, एवं राजकुमार भुसरी कार्यक्रम की शोभा बढ़ायेंगे।

चौकी इंचार्ज के खिलाफ मोर्चा खोलने पर जताया आभार

रूद्रपुर। समाजसेवी सचिन मुंजाल ने सिख समाज के युवक के साथ बदसलूकी करने वाले आदर्श कालोनी चौकी इंचार्ज संदीप पिलखवाल के खिलाफा मोर्चा खोलने में सहयोग करने वाले व्यापारियों और सर्व समाज के लोगों का आभार व्यक्त किया है।

सचिन मुंजाल ने कहा कि चौकी इंचार्ज पिछले कई दिनों से वर्दी की हनक दिखाकर लोगों को परेशान कर रहे थे। वार्ड नं. 31 में सिख समाज के युवक के साथ बदसलूकी करने पर चौकी इंचार्ज के खिलाफ उन्होंने ग्रुप में मैसेज डालकर सर्वसमाज से मोर्चा खोलने की अपील की थी। जिसके बाद व्यापार मण्डल अध्यक्ष संजय जुनेजा, महामंत्री मनोज छाबड़ा, कोषाध्यक्ष संदीप राव सहित तमाम लोगों ने एकजुटता दिखाते हुए चौकी इंचार्ज के खिलाफ मोर्चा खोला जिसके परिणाम स्वरूप एसएसपी ने चौकी इंचार्ज को लाईन हाजिर कर दिया। सचिन मुंजाल ने सभी लोगों का आभार व्यक्त किया है।

पेज एक का शेष...

बंगाली महासम्मेलन में उमड़ा...बनी हुई हैं जिन्हें पूरा करने के लिए समाज के लोग निरंतर शासन प्रशासन से आग्रह करते रहे हैं परंतु इन मांगों की निरंतर उपेक्षा की जा रही है जिसे बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। उन्होंने अपनी लंबित मांगों का उल्लेख करते हुए कहा कि उत्तराखण्ड में रहने वाले बंगाली समाज के नमो: शूद्र,पौंड, माझी सकहतअन्य उप जातियों को अनुसूचित जाति का दर्जा दिया जाये, नवीन शिक्षा नियमावली के अनुसार बंगाली बाहुल्य क्षेत्र में प्राईमरी स्तर पर एक अतिरिक्त बांग्ला भाषा(विषय) लागू किया जाये, विद्यालयी शिक्षा के छात्र छात्राओं को सालों से रूका हुआ छात्रवृत्ति अविलम्ब प्रदान किया जाये तथा बंग भवन का निर्माण अतिशीघ्र जिला मुख्यालय में किया जाये। वक्ताओं ने कहा कि बंगाली समाज के लोगों को बाहरी बताया जाना किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। समाज की कई पीढ़ियां उत्तराखण्ड में निवास करती आ रही हैं। उन्होंने कहा कि समाज अपने सम्मान की रक्षा करने के लिए हर पल तैयार हैं। महा सभा को उत्तम दत्ता, प्रेमानन्द महाजन, ममता हालदार, परिमल राय, केके दास, राजकुमार साहा, दिलीप अधिकारी, तरूण दत्ता, हिमांशु सरकार, त्रिनाथ विश्वास, सुदर्शन विश्वास, अनादि रंजन, जीवन राय, राजकुमार साहा, दिलीप अधिकारी, अमित वैद्य, समीर राय, शंकर चक्रवर्ती, शिवपद सरकार, किशोर हालदार, गणेश सरकार, तारक बाछाड़, सुब्रत विश्वास, सुविर वंदना दास, आदि ने सम्बोधित किया। इस मौके पर सुशील मंडल, विधान राय, डा. सुमित राय, केरू मंडल, शिव कुमार राय, नारायण हालदार, मानस बैरागी, चितरंजन राय, विकास मल्लिक, नन्दू शर्मा, अर्जुन विश्वास, शंकर विश्वास, असीत बाला, जगदीश कर्मकार, नवकुमार साना, नन्दशेखर गांगुली, अभिमन्यु साना, उमाशंकर, गोविंद राय, सुशांत विश्वास, देवाशीष मंडल, बादल अधिकारी, मोनिका ढ़ाली, प्रीति साना, सुब्रत सरकार, हीरा मंडल, अपूर्व विश्वास, प्रकाश अधिकारी, उमा सरकार, अमलेन्द्रु ढ़ाली, नेपाल, संजय राय, हरिचांद विश्वास,आलोक राय, गणेश सरकार, रामचन्द्र राय, प्रसन्नजीत साहा, प्रणय राय, गौरव दास, संजय आईस सहित रूद्रपुर के ट्रांजिट कैम्प, जगतपुरा, आदर्श इंदिरा बंगाली कालोनी, संजय नगर, संजय नगर खेड़ा, रविन्द्र नगर, मुखर्जी नगर, घास मंडी आदि कालोनियों के साथ साथ दिनेशपुर, गदरपुर, शक्तिफार्म, सितारगंज, किच्छा, लालपुर समेत कई क्षेत्रों से हजारों की संख्या में बंगाली समाज के लोगों ने भागीदारी की।

चौकी इंचार्ज...गुरूसेवक सिंह, नवतेज सिंह,दिलजोत बाजवा, व्यापार मण्डल महामंत्री मनोज छाबड़ा, कोषाध्यक्ष संदीप राव, सतपाल ठुकराल, गुरसेवक सिंह, गुरजीत सिंह, सद्दाम पाशा, हरविंदर सिंह, विक्रम सिंह गौराया, हैप्पी विर्क, विक्रम सिंह लड्डू, प्रभजीत सिंह संधू, हरविंदर सिंह आदि सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

रैली में चिकित्सा...पानी व बैठने का समुचित प्रबंध किया गया था जिससे किसी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न नहीं हुई। वहीं मंच पर भी समाज के वरिष्ठ लोगों को पूरे सम्मान के साथ बैठाया गया था। अन्य कार्यक्रमों की भांति इस कार्यक्रम में मंच पर चढ़ने व बैठने के लिए किसी भी तरह से अनुशासनहीनता नहीं दिखाई दी। सभी वक्ताओं ने शालीनता से अपनी बात रखी और लोगों ने उन्हें पूरे ध्यान से सुना। गांधी पार्क के सभी गेटों पर सुरक्षा व्यवस्था भी पूरी तरह से मुस्तैद बनी रही।

जनसैलाब ने दिलाई...समाज के पुरूष महिला और युवा जुलूस के रूप में नारेबाजी करते हुए गांधी मैदान की ओर बढ़ रहे थ तो वहीं दूसरी ओर दिनेशपुर, गदरपुर, शक्तिफार्म, सितारगंज, किच्छा, लालपुर समेत आसपास के कई नगरों से हजारों की संख्या में बंगाली समाज के लोगों ने भी जुलूस के रूप में आकर जनसभा में भागीदारी की। कार्यक्रम प्रारम्भ होने के कुछ समय में ही गांधी पार्क आधा भर गया था और समाज के लोगों के आने का क्रम निरंतर जारी था। कार्यक्रम स्थल पर हजारों की संख्या में मौजूद महिलाओं का उत्साह देखते ही बनता था।

राज्य स्तरीय..एसडीएम मनीष बिष्ट, पूर्व मेयर रामपाल सिंह,ओलंपिक संघ के प्रभारी अध्यक्ष महेश नेगी डीके सिंह, गुरमीत सिंह, उपेंद्र चौधरी, नागेंद्र शर्मा, सुरेश कोली आदि मौजूद थे।

सिलेण्डर फटने... बताई जा रही है। बताया जाता है कि झोपड़ी एक बटाईदार की थी, जो खेतों में काम करता था। घटना की जानकारी मिलते ही पटवारी मौके पर पहुंचे और अपनी रिपोर्ट तैयार करने में जुट गए। स्थानीय प्रशासन और अन्य संबंधित अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

विधायकों के वेतन भत्तों में बढ़ोतरी का रास्ता साफ

देहरादून। उत्तराखंड में विधायकों के वेतन भत्तों में बढ़ोतरी का रास्ता साफ हो गया है। राज्यपाल ले.जनरल गुरमीत सिंह(सेनि.) ने विविध संशोधन विधेयक को मंजूरी दे दी है। गैरसैंण विधानसभा सत्र में सरकार ने विधेयक पारित किया था। इसके अलावा राज्यपाल ने उत्तराखंड (उप्र जमींदारी विनाश और भूमि व्यवस्था अधिनियम 1950) विधेयक 2024 को भी मंजूरी दे दी है। विविध संशोधन विधेयक के तहत विधायकों, पूर्व विधायकों, नेता प्रतिपक्ष के वेतन, भत्तों, पेंशन पारिवारिक पेंशन और कई अन्य सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। रेलवे कूपन, डीजल पेट्रोल, पारिवारिक भत्ता, जीपीएफ की लागू दर पर लोन व राज्य कर्मचारियों की भांति कैशलेस इलाज के लिए गोल्डन कार्ड की सुविधाएं मिलेंगी। विधायक विदेश में उपचार करा सकेंगे।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा

स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर(उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित

सम्पादक- परमपाल सुखीजा

आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।

E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in

फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

'दंगापरस्तों' पर धामी सरकार का 'डबल अटैक'

उत्तराखंड लोक और निजी संपत्ति क्षति वसूली विधेयक के कानून बनने के बाद अब बेहद सख्त सत्यापन अभियान छेड़ने की तैयारी, सत्यापन अभियान को प्रदेश के पर्वतीय जिलों में भी दिया जाएगा विस्तार,बोले सीएम धामी डेमोग्राफिक बदलाव की वजह से राज्य के मूल स्वरूप और संस्कृति को हरगिज नहीं होने दिया जाएगा प्रभावित

-अर्श-

देहरादून। छोटी- छोटी घटनाओं पर देवभूमि की शांत वादियों में अराजकता, हिंसा एवं दंगा फैलाने के आदी दंगा परस्तों पर नकेल डालने के लिए उत्तराखंड की पुष्कर सिंह धामी सरकार ने पूरी तरह कमर कस ली है और अब सरकार दंगा पसंदगी पर डबल अटैक करने की तैयारी में है। उत्तराखंड सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता के चलते एक ओर जहां बीते रोज उत्तराखंड लोक और निजी संपत्ति क्षति वसूली विधेयक को राज्यपाल की मंजूरी मिल गई है, वहीं दूसरी ओर राज्य शासन ने बाहर से आकर उत्तराखंड में शरण लेने वाले उपद्रवियों एवं अपराधियों को अपने रडार पर लेने के लिए एक बेहद सख्त सत्यापन प्रक्रिया की रूपरेखा भी तैयार कर ली है। उत्तराखंड लोक और निजी संपत्ति क्षति वसूली विधेयक के कानून बनने के बाद जहां हड़ताल, दंगों, बंद और आंदोलनों में सरकारी के साथ-साथ निजी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने वालों से क्षति वसूली की जा सकेगी ,साथ ही नई सत्यापन प्रक्रिया के तहत बाहर से आकर देवभूमि में छिपे बैठे अराजक तत्वों की पहचान भी बेहद आसानी से की जा सकेगी। सूबे के मुखिया पुष्कर सिंह धामी ने राज्य में पहले से कहीं अधिक सख्त सत्यापन अभियान चलाए जाने के संकेत देते हुए कहा है कि उत्तराखंड में अब पहले से ज्यादा सख्ती से सत्यापन अभियान चलाया जाएगा और

इस अभियान के दायरे में अब पर्वतीय जिलों को भी लाया जाएगा। सीएम धामी ने कड़े शब्दों में कहा है कि उत्तराखंड के डेमोग्राफिक बदलाव की वजह से राज्य के मूल स्वरूप और संस्कृति को हरगिज प्रभावित नहीं होने दिया जाएगा। सरकार इस बात के लिए संकल्पबद्ध है कि राज्य के मूल स्वरूप से किसी भी कीमत पर छेड़छाड़ न होने पाए । मुख्यमंत्री के अनुसार राज्य के मूल स्वरूप की रक्षा के लिए सत्यापन अभियान चलाया गया था, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। अब इस सत्यापन अभियान को और भी विस्तृत एवं सख्त बनाया जाएगा । सत्यापन अभियान को डेमोग्राफिक बदलाव वाले क्षेत्र में खास तौर से फोकस किया जाएगा। सीएम धामी ने राज्य से के बाहर से आकर देवभूमि में अपराधिक घटनाओं को अंजाम देने वाले लोगों को चेताते हुए कहा है कि उत्तराखंड एक सौहार्द्रपूर्ण राज्य है और यहां लोग प्रेमपूर्वक रहते हैं, लेकिन यहां की बहन-बेटियों के खिलाफ अपराध कतई बर्दाश्त नहीं होगा। उन्होंने अपराधियों को चेताया कि प्रदेश में अपराध करने वालों के लिए कोई जगह नहीं है और अपराधियों के खिलाफ सरकार सख्ती से कार्रवाई करेगी संगीन एवं अशांति फैलाने वाले अपराध की स्थिति में सरकार सख्त से सख्त कदम उठाने में भी बिल्कुल नहीं हिचकेगी।

विधेयक को राजभवन से मिली मंजूरी, उपद्रवियों पर कसेगा शिकंजा

देहरादून। उत्तराखंड में साम्प्रदायिक दंगा-फसाद करने वाले उपद्रवियों पर नकेल कसने के लिए उत्तराखंड लोक और निजी संपत्ति क्षति वसूली विधेयक को राज्यपाल की मंजूरी मिल गई है। गैरसैंण विधानसभा सत्र के दौरान प्रदेश सरकार ने अध्यादेश के तौर पर लागू इस कानून के लिए विधेयक पेश किया था। विधायी ने राज्यपाल की मंजूरी के लिए विधेयक को राजभवन भेजा था। इस कानून के तहत हड़ताल, दंगों, बंद और आंदोलनों में सरकारी के साथ-साथ निजी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने वालों से वसूली की जाएगी। इसके संबंध में एक दावा अभिकरण का गठन किया जाएगा। इसमें कोई भी व्यक्ति और सरकारी संपत्तियों का प्राधिकारी इस दावा अभिकरण में अपना दावा पेश कर सकेगा। इस दावे का निपटारा भी निश्चित समय अवधि में होगा, ताकि जल्द से जल्द नुकसान की भरपाई नुकसान करने वाले से हो सके। यदि किसी आंदोलन, बंद आदि में संपत्तियों को नुकसान पहुंचता है तो इसकी भरपाई संबंधित बंद या आंदोलन का आह्वान करने वाले नेता से की जाएगी। क्षतिग्रस्त संपत्ति की भरपाई के अलावा आठ लाख तक का जुर्माना और दंगा नियंत्रण पर सरकारी अमले का खर्चा भी भरेगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड लोक तथा निजी संपत्ति क्षति वसूली (अध्यादेश) विधेयक को मंजूरी देने पर राज्यपाल का हार्दिक आभार एवं धन्यवाद। इस कानून के तहत दंगाइयों से सरकारी और निजी संपत्ति को हुए नुकसान की भरपाई की जा सकेगी। दंग नियंत्रण में लगे सरकारी अमले और अन्य कार्य पर आने वाले खर्च की भरपाई भी उपद्रवी से की जा सकेगी। देवभूमि में कानून व्यवस्था और स्वरूप बिगाड़ने की किसी को छूट नहीं है। इस कानून का राज्य में कड़ाई से पालन कराया जाएगा।

रेल पटरी के बीचों बीच बिजली का पोल रखने मचा हड़कंप

काठगोदाम-देहरादून एक्सप्रेस ट्रेन के लोको पायलट की सूजबूझ से टला बड़ा हादसा,शरारती तत्वों की तलाश जारी

रूद्रपुर/ रामपुर(उद संवाददाता)। देश के कई राज्यों में रेलवे लाईन पर लोहे के रॉड व अन्य वस्तओं के जरिये रेलगाड़ियों को डिरेल करने की की घटनायें लगातार बढ़ रही हैं। वहीं अब उत्तराखंड में भी ऐसी ही एक घटना से रेलवे की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। रेलवे लाइन पर किसी शरारती तत्वों द्वारा लोहे का खंभा रखे जाने पर खलबली मच गई। काठगोदाम-देहरादून एक्सप्रेस ट्रेन के लोको पायलट ने रेलवे लाइन से खंभा हटाकर ट्रेन को गुजर गया। वहीं ट्रेन 20 मिनट लेट होकर रुद्रपुर रेलवे स्टेशन पर पहुंची। उधर पुलिस अधीक्षक तथा जीआरपी पुलिस अधीक्षक ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण कर जायजा लिया। रुद्रपुर बॉर्डर से सिटी क्षेत्र की बलवंत एनक्लेव कालोनी के पीछे रेलवे लाइन पर खंभा संख्या 45/10 तथा 11 के बीच लोहे का भारी भरकम बिजली का पोल रखे होने पर बुधवार की रात खलबली मच गई। इस दौरान रुद्र

बिलास चौकी प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि उन्हें इसकी जानकारी रुद्रपुर रेलवे स्टेशन से मिलने वह मौके पहुंच गए। बताया कि काठगोदाम देहरादून एक्सप्रेस गाड़ी संख्या 12091 देहरादून से वापस काठगोदाम जा रही थी। इसी बीच ट्रेन के लोको पायलट ने रेलवे लाइन पर बिजली का खंभा देख तुरंत इमरजेंसी ब्रेक लगाकर रेल को बेपटरी होने से बचा लिया। पटीरी के बीचों बीच बिजली का खंभा रखे होने की सूचना से रेलवे भिाग के अधिकारियों में खलबली मच गई। इस दौरान ट्रेन के लोको पायलट ने ट्रेन को रोककर खंभे को रेलवे लाइन से हटकर ट्रेन को गंतव्य के लिए रवाना किया। बताया जाता है कि रात्रि 9:45 पर एक्सप्रेस ट्रेन को रुद्रपुर रेलवे स्टेशन पहुंचना था। जबकि वह 10 मिनट देरी से चल रही थी। ट्रेन 10:15 पर रेलवे स्टेशन रूद्रपुर उत्तराखंड पहुंची। तब जाकर ट्रेन के लोको पायलट ने स्टेशन अधीक्षक तथा जीआरपी पुलिस को मामले से अवगत कराने पर रेल कर्मियों तथा जीआरपी पुलिस में खलबली मच गई। सूचना पर स्थानीय पुलिस तथा जीआरपी पुलिस मौके पर पहुंच गई। साथ ही सीओ रवि खोखर, प्रभारी निरीक्षक बलवान सिंह पुलिसकर्मियों के साथ मौके पर पहुंच गए। पुलिस अधीक्षक विद्या किशोर मिश्र ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। साथ ही उन्होंने पुलिस कर्मियों को निर्देशित किया कि वह ऐसे शरारती तत्वों पर नजर रखें और उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करें। उधर सूचना पर जीआरपी पुलिस अधीक्षक ने भी मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया और जीआरपी पुलिस को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। वहीं रेलवे के सुरक्षा अधिकारियो ने पटरी के बीचों बीच रखे गये बिजली के पोल रखने की घटना की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि शरारती तत्वों द्वारा ऐसी हरकत को अंजाम दिया गया है। संदिग्धों की धड़पकड़ के साथ ही बिजली का खंबा छोड़ने की विस्तृत जांच की जा रही है। वहीं रेलगाड़ी को डीरेल करने के पीछे किसी बड़ी साजिश से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। जीआरपी पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।